RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-308 | जयपुर, शनिवार, 09 मई 2026 | मूल्य-4 रुपये

गृहमंत्री अमित शाह ने किया ऐलान, शुभेंदु अधिकारी चुने गए विधायक दल के नेता

बंगाल के नए सीएम होंगे अधिकारी

राज्यपाल से मिले शुभेंदु, सरकार बनाने का दावा किया पेश, आज लेंगे शपथ

कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शिकस्त देने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया है। शुक्रवार को आयोजित विधायक दल की बैठक में यह फैसला सहमति से लिया गया। भाजपा के विजयी 207 उम्मीदवारों के साथ बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी सहायक पर्यवेक्षक के तौर पर उपस्थित थे। नई सरकार का शपथ ग्रहण शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा।

कोलकाता के न्यू टाउन स्थित विश्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री माझी ने भाजपा के विजयी विधायक के साथ बैठक की। वहां सर्वसम्मति से संसदीय दल के नेता के साथ-साथ मुख्यमंत्री के तौर पर शुभेंदु अधिकारी का नाम तय किया गया। इसके बाद सुवेंदु अधिकारी लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

बंगाल के राजनीतिक गलियारों में पिछले कई दिनों से शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने की चर्चा तेज थी। विधानसभा चुनाव में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने ममता को नंदीग्राम में शिकस्त दी थी। वहीं, इस बार के चुनाव में शुभेंदु ने ममता के गढ़ भवानीपुर में उन्हें चुनौती दी और कामयाबी हासिल की। नंदीग्राम व भवानीपुर दोनों सीटों पर मिली कामयाबी ने मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु की दावेदारी को और मजबूत कर दिया था। अब सभी की नजरें शनिवार को शपथ समारोह पर टिकी हैं, जहां नए मंत्रिमंडल की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

पूरे देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे

शाह ने कहा- भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। बंकीम बाबू के परिवार से बहन सुनित्रा चटोपाध्याय हमारे साथ जुड़ी हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वंदे मातरम के 150वें साल में बंकीम बाबू की धरती पर हमें सरकार बनाने का मौका मिला।शाह ने कहा- भवानीपुर की जनता का भी बहुत बहुत धन्यवाद। सुवेंदु ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम में हराया था। दीदी इस बार तो सुवेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है। भवानीपुर की जनता का दिल से धन्यवाद।

विजय ने लगातार तीसरे दिन सरकार बनाने का दावा किया

राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा, सरकार बनाने की मंजूरी

चेन्नई। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक सस्पेंस खत्म हो गया है। TVK चीफ और एक्टर विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने की मंजूरी दे दी है। विजय आज सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। विजय ने शुक्रवार को लोकभवन में लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल को TVK, कांग्रेस, CPI, CPI(M) और VCK के कुल 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में TVK ने 234 में से 108 सीटें जीती हैं। इनमें दो सीटों पर विजय जीते हैं। कांग्रेस के 5 और CPI, CPI(M), VCK के 2-2 विधायकों के समर्थन से TVK ने बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है।

अमेरिका ने सीजफायर तोड़कर ईरान पर फिर बमबारी की

ट्रम्प बोले- डील नहीं की तो और हमले करेंगे, होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है।

ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस TV के मुताबिक खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था।

इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी IMO के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों के साथ लगभग 20 हजार नाविक भी फंसे हुए हैं।

नए पश्चिमी विक्षोभ से फिर बदलेगा मौसम, 11 से आंधी-बारिश के आसार

जयपुर।

प्रदेश में एकबार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। नए प. विक्षोभ के सक्रिय होने से 11 मई से राजस्थान के कई हिस्सों में आंधी व बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बदलाव से लोगों को तेज गर्मी और हीटवेव से राहत मिल सकती है।

शुक्रवार को प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। कई शहरों के अधिकतम तापमान में 6 डिग्री सेल्सियस तक की कमी देखने को मिली। हालांकि पश्चिमी राजस्थान में गर्मी का असर अभी बरकरार है व फलौदी, बाड़मेर तथा जैसलमेर का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया।

प्रदेश में सबसे अधिक तापमान फलौदी में रिकॉर्ड किया गया, जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री दर्ज हुआ। शुक्रवार को प्रदेश के 17 शहरों का दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा, जबकि 11 शहरों में रात का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया।

मौसम विभाग अनुसार आगामी 2 से 3 दिनों में प्रदेश के अधिकांश शहरों में तापमान में फिर बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद 11 और 12 मई को नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

राजस्थान के सबसे बड़े रोप-वे प्रोजेक्ट पर हाईकोर्ट की रोक

आमेर-जयगढ़-नाहरगढ़ किलों को दिखाने की योजना, 4 गुना से ज्यादा रेट में दिया टेंडर

जयपुर

राजस्थान के सबसे बड़े रोप-वे प्रोजेक्ट पर हाईकोर्ट ने शुक्रवार को रोक लगा दी। जयपुर में आमेर-जयगढ़-नाहरगढ़ किलों को एक साथ दिखाने की योजना थी। 6.5 किलोमीटर के इस रोप-वे के टेंडर में गड़बड़ी को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। 80 करोड़ की जगह 350 करोड़ में टेंडर दिया गया। मामले में अगली सुनवाई 19 मई को होगी।

जस्टिस समीर जैन ने रोपवे

प्रोजेक्ट के लिए 2 फरवरी को दी गई सरकारी मंजूरी पर रोक लगाने के आदेश दिए। याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट अभि गोयल और हार्दिक मिश्रा ने पैरवी करते हुए तर्क दिया कि फर्म 80 करोड़ में रोपवे बनाने को तैयार थी, लेकिन 350 करोड़ की लागत वाले को काम दिया गया। इस पूरे मामले में टेंडर देने के राजस्थान पारदर्शिता लोक उपापन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन किया गया।

राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के अनुरूप धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर रोपवे बनाने की घोषणा की थी। इसमें आमेर किला, नाहरगढ़ किला और जयगढ़ किले को जोड़ने वाला रोपवे प्रोजेक्ट था। इसके लिए बजट में घोषणा करने के बाद बजट अलॉट किया गया था।

आरटीपीपी एक्ट के प्रावधानों का खुला उल्लंघन

याचिकाकर्ता फर्म शिवम प्राइम इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के वकीलों ने कोर्ट में तर्क दिया कि इस रोपवे प्रोजेक्ट के लिए टेंडर का कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया। तीन फर्मों ने टेंडर के लिए अप्लाई किया, जिसमें याचिकाकर्ता फर्म भी शामिल थी। इस रोपवे का काम देने में RTPP एक्ट के प्रावधानों को लागू नहीं किया गया, जबकि यह प्रोजेक्ट RTPP एक्ट-2012 की धारा 2(13) के तहत खरीद के दायरे में आता है।

80 करोड़ की जगह 350 करोड़ वाली फर्म को सौंपा काम

2 सितंबर 2025 की बैठक से साफ है कि याचिकाकर्ता फर्म लगभग 80 करोड़ रुपए की लागत में रोपवे बना रही थी। इसमें वन भूमि और पेड़-पौधों को शून्य या न्यूनतम नुकसान पहुंच रहा था। वहीं इसमें दूसरी आवेदक फर्म जीआर इंफ्रा ने रोपवे बनाने के लिए 350 करोड़ रुपए की लागत बताई। इसमें वन क्षेत्र और पेड़ों को नुकसान होना शामिल था। इसके बावजूद दूसरी फर्म को 2 फरवरी 2026 को रोपवे का काम देने की शुरुआती मंजूरी दे दी गई।

महेश जोशी से 8 घंटे तक की पूछताछ

जेजेएम घोटाले में टेंडर की अनियमितताओं पर पूछे सवाल

जयपुर

जल जीवन मिशन (JJM) घोटाले में ACB ने पूर्व मंत्री महेश जोशी से 8 घंटे तक पूछताछ की। एसीबी ने पूर्व मंत्री को 7 मई को गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेशकर 5 दिन की रिमांड पर लिया है।

एसीबी ने शुक्रवार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक महेश जोशी से पूछताछ की। इस दौरान टेंडर प्रक्रिया, कमेटी गठन, अधिकारियों की भूमिका और फाइलों की मंजूरी से जुड़े सवाल किए।

एसीबी सूत्रों के अनुसार पूर्व मंत्री से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। मुख्य रूप से यह जानने की कोशिश की गई कि टेंडर प्रक्रिया में किन स्तरों पर अनियमितताएं हुई और इसके निर्णय में कौन-कौन से अधिकारी शामिल थे।

पूर्व मंत्री महेश जोशी के सहयोगी संजय बड़ाया के विदेश से लौटने पर एसीबी पूछताछ कर सकती है। उससे पूछताछ में कई नए तथ्य सामने आ सकते हैं। बड़ाया पर दोनों ट्यूबवैल कंपनियों (गणपति ट्यूबवैल कंपनी और श्याम ट्यूबवैल कंपनी) को टेंडर दिलाने के बदले 960 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है।

एसीबी जांच में सामने आया कि जून-2022 में जयपुर में तत्कालीन अधिशासी अभियंता विशाल सक्सेना की पोस्टिंग को लेकर संजय बड़ाया की पूर्व मंत्री महेश जोशी से मुलाकात करवाई गई थी।

टीसीएस केस- मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में

यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप

नासिक

नासिक TCS केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं।

इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि

आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी।

पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक है। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

एफआईआर के अनुसार, निदा पर आरोप है कि उसने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। मामले की जांच नासिक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम जांच कर रही है।

इस मामले में अब तक 9 एफआईआर दर्ज हुई हैं, जो महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी हैं। SIT ने इस मामले में अब तक एक महिला ऑपरेशंस मैनेजर समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

निदा ने एंटीसिपेटरी बेल के लिए अपनी प्रेग्नेंसी का हवाला दिया, लेकिन कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया था।

टाइगर सफारी नाहरगढ़ जैविक उद्यान में जन्मे दोनों बाघ शावक स्वस्थ

जयपुर। टाइगर सफारी नाहरगढ़ जैविक उद्यान की बाघिन भक्ति से 18 अप्रेल को जन्म लेने वाले दोनों बाघ शावक स्वस्थ हैं और उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि बाघिन भक्ति को वर्ष 2024 में वन्यजीव एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पुणे जू से लाया गया था। भक्ति का नर पार्टनर बाघ 2024 में नागपुर चिड़ियाघर से लाया गया था।

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 सितम्बर दोबारा होगी

पहले एग्जाम में शामिल 3.83 लाख अभ्यर्थियों को ही मिलेगा मौका

अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य सरकार की सिफारिश के बाद उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द कर दिया है। अब यह परीक्षा नए सिरे से आयोजित की जाएगी। इस संबंध में आयोग की वेबसाइट पर जानकारी जारी कर दी गई है। यह भर्ती 859 पदों के लिए ही होगी।

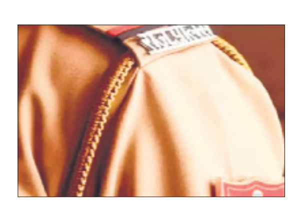

आयोग अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने बताया- दोबारा होने वाली परीक्षा में सिर्फ 3 लाख 83 हजार 097 अभ्यर्थी बैठ सकेंगे। ये वो अभ्यर्थी हैं, जो पहले (13 से 15 सितंबर 2021 तक) आयोजित लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में शामिल हुए थे। परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर हुई SOG की जांच में जिन पर चार्ज लगाए गए हैं, उन अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में शामिल किया जाएगा या नहीं, इसे लेकर जल्द ही RPSC की फुल कमीशन की बैठक में फैसला लिया जाएगा।

16 मई से शुरू होगी आवेदन संशोधन प्रक्रिया

अभ्यर्थियों को उनके पूर्व में भरे गए आवेदन पत्रों में सुधार और अपडेट करने का अवसर दिया जाएगा। संशोधन की प्रक्रिया 16 से 30 मई 2026 तक चलेगी। इस दौरान अभ्यर्थी मोबाइल नंबर, ईमेल एड्रेस और पत्राचार का पता जैसी जानकारी अपडेट कर सकेंगे।

आवेदन में किसी भी प्रकार का संशोधन करने से पहले अभ्यर्थी को अपने वन टाइम रजिस्ट्रेशन में KVC प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यदि अभ्यर्थी ने अपनी एसएसओ आईडी बदल ली है तो वह फैच एप्लिकेशन फॉर्म विकल्प का उपयोग कर अपना पुराना डेटा नए प्रोफाइल में ट्रांसफर कर सकता है।

ओटीआर में सेव लाइव फोटो, सिग्नेचर और अंगूठे का निशान स्वतः ही ओटीआर से फैच हो जाएंगे। यदि ओटीआर में पूर्व में केवाईसी पूरी नहीं है तो इसे पूर्ण करना आवश्यक होगा।

जयपुर में जॉइंट कमांडर्स कॉन्फ्रेंस: ऑपरेशन सिंदूर में दिखा भारत का नया अंदाज

भविष्य की जंग दिमाग और एआई से होगी: राजनाथ

जयपुर

तीनों सेनाओं के कमांडर भविष्य के साइबर व स्पेस युद्ध पर चर्चा करने के लिए जयपुर में इकट्ठा हुए। सेना की दक्षिणी-पश्चिमी कमान के नेतृत्व में हुई दो दिन की कमांडर्स कांफ्रेंस में नवाचार, स्वदेशीकरण व नागरिक -सैन्य संलयन के जरिए आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमांडरों से कहा कि वे देश के दुश्मनों के लिए 'एलीमेंट ऑफ सरप्राइज' को बढ़ावा दें, ताकि वे किसी भी स्थिति में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकें।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जयपुर में 'नए डोमेन में मिलिट्री कैपेबिलिटी' विषय पर हुई दो दिनों

की कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन शुक्रवार को शामिल हुए। 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह मनाने के लिए जयपुर पहुंचे रक्षा मंत्री ने कॉन्फ्रेंस के पहले दिन ऑपरेशन सिंदूर पर एक डॉक्युमेंट्री फिल्म रिलीज की। उन्होंने विजन 2047 और इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन आर्किटेक्चर व एयर डिफेंस के लिए जॉइंट डॉक्ट्रिन भी रिलीज किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के कमांडरों से कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर और मौजूदा ग्लोबल सुरक्षा हालात से सीखकर भविष्य के लिए तैयार रहें। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को कम समय का गहराई तक जाने वाला हाई-इंटेंसिटी और हाई-इम्पैक्ट ऑपरेशन बताया, जिसने दिखाया कि भारत अपने दुश्मन को सरेंडर करने पर मजबूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रदर्शन और नए सैन्य मूल्यों का प्रतीक था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेजी से बदलते भू-राजनीतिक सुरक्षा परिदृश्य में तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया।

उभरती टेक्नोलॉजी के बदलाव लाने वाले असर पर रेखांकित करते हुए उन्होंने संघर्ष के सभी पहलुओं में एक साथ देश की तैयारी पक्की करने की अहमियत पर ज़ोर दिया। राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं में संयुक्तता, एकीकरण और प्रौद्योगिकी अपनाने को बढ़ाने में हुई तरक्की की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वैश्विक रक्षा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों में संयुक्तता एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा भविष्य के युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि नई सोच व बेहतर तालमेल से जीते जाएंगे। उन्होंने दुश्मन के एलिमेंट ऑफ सरप्राइज से सावधान रहने व हमेशा दो कदम आगे रहने को कहा। उन्होंने हथियारों व प्लेटफॉर्म के जरिए रक्षा बलों की क्षमताओं को बढ़ाने के वादे को दोहराया। खास डोमेन में रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पटना में टीआरई-4 कैंडिडेट्स को दौड़ाकर पीटा

कपड़े उतारकर सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारी

पटना

पटना में शुक्रवार को ब्रज-4 कैंडिडेट्स पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कैंडिडेट्स को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। इस दौरान कई के सिर फटे हैं।

महिला कैंडिडेट को पुलिस वालों ने पैरों से कुचला। कैंडिडेट्स ने कहा, हम आने वाले भविष्य के टीचर हैं। ये लोग हमें गुंडा समझ कर पीट रहे हैं।

लाठीचार्ज के बाद सड़कों पर कैंडिडेट्स की चप्पलें बिखरी दिखीं। एक कैंडिडेट के कपड़े सीने तक खून से सने थे। लाठीचार्ज के बाद कैंडिडेट्स ने आधे कपड़े उतार दिए और सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे।

बारिश के बीच अभ्यर्थी सड़क पर डटे हैं। कैंडिडेट्स की मांग है कि सरकार आज ही TRE-4 की वैकेंसी जारी करें। सुबह 10 बजे कैंडिडेट्स वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी BPSC ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे।

पुलिस ने JP गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार कैंडिडेट्स शामिल हैं। लाठीचार्ज से पहले पुलिस ने कैंडिडेट्स को JP गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान 3 बसों से लाठियां मंगवाई गईं। वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले भी मंगवाए गए थे, लेकिन इन सबका इस्तेमाल किए बिना ही पुलिस ने सीधे लाठीचार्ज कर दिया।

जयपुर में रवीना टंडन ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के तहत वृक्ष मित्र सम्मान 2026 का आयोजन हुआ, जिसमें उन लोगों को सम्मानित किया गया जो धरती को हरा-भरा रखने और प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पारंपरिक अंदाज में नजर आईं रवीना टंडन ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रकृति बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ और प्रकृति मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं, और इनके बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। अभिनेत्री रवीना ने लोगों से अपील कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। उनके मुताबिक, विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की अनदेखी करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रवीना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना हम सभी की जिम्मेदारी है, और विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उन जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, जिनके अथक प्रयासों से वृक्षारोपण और पेड़ों के संरक्षण का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

आंधी-तूफान में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, कई घायल

करनाल(एजेंसी)। करनाल में रात को आई आंधी तूफान में दो जगह अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। रात को आई आंधी तूफान में दो अलग अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। पहला हादसा घरौंडा के गुढ़ा गांव के समीप हुआ जहां एक बाइक पर चार युवक सवार थे और उनकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई और बिहार के रहने वाले मोहित (24) की जान चली गई तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरा हादसा जीटी रोड पर तरावड़ी के समीप हुआ। जहां एक कैंटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, कैंटर चालक कैंटर के केबिन में फंस गया और उसकी मौत हो गई, फिलहाल कैंटर चालक कहां का है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस जांच कर रही है।

कच्छ के क्रीक इलाके में मिली लावारिस पाकिस्तानी नाव, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के अनुसार यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक इलाके में पाई गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें क्रीक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक नाव दिखाई दी। जवानों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाव की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि नाव किस परिस्थिति में भारतीय सीमा तक पहुंची और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। नाव को कब्जे में लेकर तकनीकी और फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक क्षेत्र अक्सर घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भारतीय मछुआरों को अरब सागर के क्रीक इलाके में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में घुस आते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा बलों की गश्ती टीम को देखकर पाकिस्तानी मछुआरे अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं। घटना के बाद समुद्री और तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

1200 करोड़ की कोडीन तस्करी मामले में 6 के खिलाफ चार्जशीट

लखनऊ (एजेंसी)। एसटीएफ ने बहुचर्चित कोडीन कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए, जीआर ट्रेडिंग के मालिक विभोर राणा सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह गिरोह 2019 से सक्रिय था और इसने 1200 करोड़ रुपए से अधिक के सिरप की तस्करी को अंजाम दिया। चार्जशीट में विभोर राणा के अतिरिक्त सचिन कुमार (मारुति मेडिकोज), अभिषेक शर्मा (एबी फार्मास्यूटिकल), विशाल सिंह, बिट्टू कुमार और शुभम शर्मा के नाम शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह ने 400 करोड़ रुपए के सिरप खरीदकर उन्हें 1200 करोड़ रुपए से अधिक में बेचा। तस्करी का यह जाल नेपाल और बांग्लादेश तक फैला था, जिसके बैंक खातों और मार्गों की विस्तृत जानकारी मिली है। मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह सहित तीन अन्य पहले से जेल में हैं। एसटीएफ जल्द ही पूरक चार्जशीट दाखिल करेगी। विदेश में छिपे शुभम जायसवाल समेत तीन के पासपोर्ट निरस्त कर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उन्हें वापस लाने की कवायद जारी है।

फतेहपुर गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी भूत पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने एक मुठभेड़ में घायल कर दिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 12 दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खागा गैंगरेप का मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में बबलू सिंह के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। दरअसल, 24 अप्रैल को खागा क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती से उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप किया गया था।

जनगणना-2027 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल

जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें। ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

-एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

-अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने

अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

-ग्राउंड के प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में

करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

'दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव, बीजेपी के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं।

उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, ''आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।'' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का संकल्प लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जो दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रहने के बाद राज्य में भगवा खेमे के सत्ता में आने का प्रतीक होगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, हालांकि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह अब भी रहस्य बना हुआ है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वप्न दासगुप्ता के नाम भी इस दौड़ में शामिल हैं।

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

-राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूर वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए. एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया।

विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है

कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे राधे नगर के बाशिंदे

सड़क,पानी और नालियों की समस्या से परेशान 200 से अधिक परिवार, बोले- गांव से भी बदतर हैं हालात, सुविधाएं नहीं मिलीं तो चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर की राधे नगर कॉलोनी के बाशिंदे लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परेशान हैं। क्षेत्र में करीब 200 से अधिक परिवार निवास करते हैं, लेकिन आज तक यहां सड़क, नाली और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। हालात इतने खराब हैं कि पूरी कॉलोनी केवल एक हैंडपंप पर निर्भर है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की समस्या और गंभीर हो गई है। लोगों को घंटों लाइन में लगकर पानी भरना पड़ रहा है। सुबह से शाम तक महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग अपनी बारी का इंतजार करते नजर आते हैं, जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभागों और प्रशासन को शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि शहर में रहने के बावजूद उन्हें गांव से भी बदतर हालात का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी रूबी सिंह ने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से राधे नगर में रह रही हैं और तब से लगातार पानी, सड़क और नालियों की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पूरे इलाके में केवल एक हैंडपंप है, जिससे सभी परिवार पानी भरते हैं। पानी को लेकर महिलाओं के बीच आए दिन विवाद की स्थिति बन जाती है।

रूबी सिंह ने बताया कि कॉलोनी में अब तक नल कनेक्शन नहीं है, जबकि कुछ दूरी पर चंबल परियोजना की पाइपलाइन गुजर रही है, लेकिन क्षेत्र को उससे नहीं जोड़ा गया। सुबह होते ही हैंडपंप पर लंबी कतार लग जाती है और कई बार लोगों को दो से तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि कॉलोनी में नालियां नहीं होने से गंदा पानी खाली प्लॉटों में भर जाता है, जिससे मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। वहीं, गंदा पानी मकानों की नींव तक पहुंचने से घरों को भी नुकसान होने लगा है।

गृहिणी सुनीता देवी छीपा ने बताया कि पानी भरने में दिन का बड़ा हिस्सा निकल जाता है। घर तक पानी पहुंचाने के बाद भी उसका बेहद सावधानी से उपयोग करना पड़ता है। बच्चों को भी पानी बर्बाद नहीं करने की हिदायत देनी पड़ती है, क्योंकि पानी जुटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि इस समस्या ने पूरे क्षेत्र की जीवनशैली को प्रभावित कर दिया है। स्थानीय निवासी लोकेंद्र छीपा और राजू वर्मा ने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से कॉलोनी में रह रहे हैं, लेकिन अब तक यहां सड़क और नालियों का निर्माण नहीं हुआ। बारिश के दिनों में हालात और खराब हो जाते हैं। सड़कों पर पानी भरकर घरों तक पहुंच जाता है। वहीं खाली प्लॉटों में पानी जमा होने से बीमारियों का खतरा बना रहता है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि स्थानीय विधायक भी क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं, लेकिन समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। नगर विकास न्यास और संबंधित विभागों को कई बार शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क, नाली और पानी की व्यवस्था नहीं की गई तो वे आने वाले चुनाव में मतदान का बहिष्कार करेंगे। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से कॉलोनी में सड़क और नालियों का निर्माण कराने तथा अतिरिक्त हैंडपंप लगाने या नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

टीटोडा जागीर में दूसरी बार टूटी अवैध कोयले की भट्टियां

मामूली कार्रवाई से माफियाओं के हौसले बुलंद, दर्जनों भट्टियां तोड़ी गई

फिर भी जब्त नहीं हुआ माल
अधिकारियों की कार्यवाही संदेह के घेरे में

स्मार्ट हलचल

क्षेत्र के टीटोडा जागीर में अवैध कोयला कारोबार पर प्रशासन की कार्रवाई एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। प्रशासनिक टीम द्वारा दूसरी बार अवैध कोयले की भट्टियों को तोड़ने की कार्रवाई तो की गई, लेकिन इस बार भी मौके पर मौजूद कोयला और लकड़ी को जब्त नहीं किया गया। इससे अवैध कारोबारियों के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन केवल औपचारिक कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है, जबकि अवैध कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। क्षेत्र में दर्जनों अवैध भट्ठियां लगातार सुलग रही हैं, जिनसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ वन संपदा भी तेजी से नष्ट हो रही है।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले भी प्रशासन ने यहां कार्रवाई करते हुए भट्ठियां तोड़ी थीं, लेकिन माल जब्त नहीं होने और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से माफियाओं ने दोबारा भट्ठियां बनाकर अवैध कारोबार शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक कोयला, लकड़ी और उपकरण जब्त कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक यह अवैध धंधा बंद नहीं होगा।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि टीटोडा जागीर क्षेत्र में चल रहे अवैध कोयला कारोबार पर स्थायी रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून का भय कायम हो सके।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल में एम.आर.आई. व सी.टी. स्कैन सुविधा को लेकर अब तक समाधान नहीं

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

महात्मा गांधी हॉस्पिटल भीलवाड़ा में आम मरीजों के लिए एम.आर.आई. एवं सी.टी. स्कैन सुविधा को पुनः सुचारू रूप से शुरू कराने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हारून रंगरेज द्वारा 17 अप्रैल 2026 को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन लगभग तीन सप्ताह बीत जाने के बावजूद अब तक इस गंभीर समस्या का कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

मोहम्मद हारून रंगरेज ने बताया कि महात्मा गांधी हॉस्पिटल जिले का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद मरीज

इलाज के लिए पहुंचते हैं। वर्तमान व्यवस्था के तहत केवल भर्ती मरीजों का ही एम.आर.आई. एवं सी.टी. स्कैन किया जा रहा है, जिससे सामान्य मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि कई मरीज ऐसे होते हैं जिन्हें पहले जांच की आवश्यकता होती है, लेकिन नियमों के कारण उन्हें अनावश्यक रूप से भर्ती करना पड़ता है। इससे अस्पताल में पहले से मौजूद बेड संकट और अधिक बढ़ रहा है। दूसरी ओर गरीब मरीज निजी जांच केंद्रों में महंगे शुल्क देकर जांच कराने को मजबूर हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। मोहम्मद हारून रंगरेज ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आमजन के हित को ध्यान में रखते हुए महात्मा गांधी हॉस्पिटल में पूर्व की भांति बिना भर्ती के भी एम.आर.आई. एवं सी.टी. स्कैन सुविधा शुरू की जाए, ताकि मरीजों को समय पर जांच एवं उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधा का मुद्दा नहीं, बल्कि हजारों गरीब परिवारों की राहत और जीवन से जुड़ा विषय है। प्रशासन को इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

ज्ञापन की प्रतिलिपि मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. वर्षा सिंह एवं महात्मा गांधी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ को भी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।

जिला अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत पर हंगामा

परिजनों ने लगाया स्टाफ पर रुपए मांगने और इलाज में लापरवाही का आरोप, मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल महात्मा गांधी चिकित्सालय की मातृ एवं शिशु इकाई में गर्भवती महिला की मौत के बाद शुक्रवार को परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। आक्रोशित लोगों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार कोटड़ी थाना क्षेत्र के रीठ गांव निवासी रामू देवी भील को प्रसव के लिए महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। मृतका के पति बालूलाल भील ने आरोप लगाया कि अस्पताल स्टाफ ने इलाज और देखभाल के नाम पर 5 से 6 हजार रुपए की मांग की। उन्होंने बताया कि 6 मई को खून की कमी होने पर उनकी पत्नी को कोटड़ी अस्पताल से भीलवाड़ा रेफर किया गया था। यहां डॉक्टरों द्वारा लगातार ब्लड की बोतलें मंगवाई गईं, जिनकी

व्यवस्था परिजनों ने आर्थिक तंगी के बावजूद की।

बालूलाल का आरोप है कि गुरुवार शाम पत्नी के पेट में तेज दर्द शुरू होने पर उन्होंने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को कई बार सूचना दी, लेकिन काफी देर तक कोई उपचार नहीं किया गया। समय पर इलाज नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई।

वहीं ग्रामीण उदयसिंह चारण ने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पताल में गरीब मरीजों की अनदेखी की जाती है और उन्हें निजी क्लीनिकों व जांच केंद्रों की ओर भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि बिना पैसे कोई काम नहीं किया जाता। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि महिला की मौत के बाद परिजनों की सहमति के बिना शव को मोर्चरी में रख दिया गया।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने दोषी डॉक्टरों और नर्सिंगकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की।

अवैध खनन में लिप्त तीन ट्रेक्टर ट्रॉली ओर एक जेसीबी जप्त

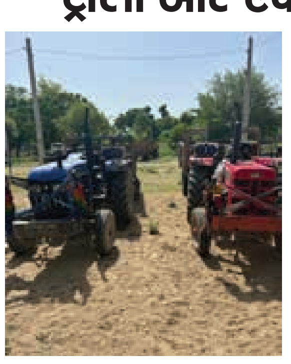

स्मार्ट हलचल|बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय स्थित मॉडल स्कूल के पास चरागाह भुमि पर अवैध रूप से खनन करके मिट्टी दोहन करते एक ट्रेक्टर ट्राली और खनन कार्य मे लगी एक जैसीबी को पुलिस ने जब्त किया है। वही थाना क्षेत्र के सरदारनगर ग्राम मे बजरी परिवहन करते दो ट्रेक्टरो को पुलिस ने जब्त किया है।

थाना प्रभारी बच्छराज चौधरी ने बताया कि गुरुवार सायं नानुदिया मार्ग पर स्थित स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल के पास चरागाह भुमि पर से अवैध रूप पिली मिट्टी खुदाई करने की सुचना मिलने पर थाना पुलिस ने मौके पर पहुच कर के मौके से एक मिट्टी से भरी एक ट्रेक्टर ट्राली तथा मिट्टी खनन कार्य मे लगी जेसीबी को जब्त करके पुलिस ने अपने कब्जे में ले कर के थाने पहुंची। वहीं थाना क्षेत्र के सरदारनगर ग्राम के पास स्थित बरसाती नाले (बाहले) मे अवैध रूप से बजरी खनन करते हुए दो ट्रेक्टर ट्राली को जब्त कर के थाने लाकर के खडे करवाए। साथ अवैध खनन मामले में माइनिंग विभाग को सुचना दी गई।

बांग्लादेश पहुंचे इंडियन ओशन शिप का शानदार स्वागत

स्मार्ट हलचल

चट्टोग्राम। भारतीय नौसेना का इंडियन ओशन शिप (आईओएस) 'सागर', जिसे आईएनएस 'सुनयना' के रूप में तैनात किया गया है, अपनी क्षेत्रीय समुद्री यात्रा के दौरान बांग्लादेश की चट्टोग्राम बंदरगाह पहुंचा। यह दौरा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने वाली 'महासागर' पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे दोनों देशों के रिश्तों एवं आपसी विश्वास को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करना और आपसी समझ को बढ़ाना है। इस मिशन में 16 मित्र देशों के नौसैनिक शामिल हैं, जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' (पूरी दुनिया एक परिवार है) के आदर्श को साझा करते हैं।

बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने 8 मई को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा यह उच्च-स्तरीय बंदरगाह दौरा, जो 'आईओएस सागर 2026'

बहुराष्ट्रीय तैनाती का एक हिस्सा है, भारतीय नौसेना और बांग्लादेशी नौसेना के बीच अटूट साझेदारी का प्रमाण है। यह दोनों पड़ोसी देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। बांग्लादेश के जलक्षेत्र में इस जहाज का स्वागत बीएनएस अली हैदर (एफ17) द्वारा किया गया और उसे एस्कॉर्ट करते हुए बंदरगाह तक पहुंचाया गया।

भारतीय उच्चायोग ने कहा आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर कई उच्च-स्तरीय कूटनीतिक मुलाकातें करेंगे, जिनमें चट्टोग्राम नौसेना क्षेत्र के कमांडर, बांग्लादेश नौसेना बेड़े के कमांडर और क्षेत्र अधीक्षक डॉकयार्ड (एएसडी) से मुलाकातें शामिल हैं। शाम को बांग्लादेश सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में एक स्वागत समारोह आयोजित होगा। इसके अलावा, चट्टोग्राम में इस सफल बंदरगाह दौरे के समापन का जश्न मनाने के लिए, अगली शाम (9 मई) आईओएस सागर की ओर से एक 'डेक रिसेप्शन' आयोजित किया जाएगा।

उच्चायोग के अनुसार, आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर, समुद्री लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए चट्टोग्राम बंदरगाह प्राधिकरण (सीपीए) के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। इसके बाद जहाजों का आपसी दौरा होगा, जिसमें बांग्लादेश नौसेना के कर्मी और आईओएस सागर के अंतरराष्ट्रीय क्रू सदस्य पेशेवर 'क्रॉस-डेक विजिट' में हिस्सा लेंगे। क्रू सदस्य बीएनएस इस्सा खान प्रशिक्षण परिसर और बांग्लादेश नौसेना अकादमी का दौरा भी करेंगे, जिससे नौसेना प्रशिक्षण की कार्यप्रणालियों की गहरी समझ विकसित होगी और आपसी क्षमता निर्माण के अवसर मिलेंगे। इसके अलावा दोनों नौसेनाओं के बीच एक मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच भी होगा, जो दोनों पक्षों के बीच साझा 'एस्प्रिट डी कॉर्प्स' (आपसी भाईचारे) को उजागर करेगा।

बता दें कि आईओएस सागर 2026 मिशन के दूसरे संस्करण की शुरुआत 2 अप्रैल को मुंबई से हुई थी। चट्टोग्राम पहुंचने से पहले यह जहाज माले (मालदीव), फुकेत (थाईलैंड), जकार्ता (इंडोनेशिया), सिंगापुर और यंगून (म्यांमार) जैसे बंदरगाहों का दौरा कर चुका है। यह मिशन मई के मध्य तक कोच्चि पहुंचकर समाप्त होगा।

सड़कों पर मौत का तांडव मचा रहे अवैध डंपर-सांसद अग्रवाल

खनिज विभाग के नरम रवैये पर भड़के सांसद दामोदर अग्रवाल, कलेक्टर को लगाई फटकार

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले में बेलगाम अवैध बजरी खनन और सड़कों पर दौड़ते मौत के डंपरों को लेकर अब जनप्रतिनिधियों का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है। सांसद दामोदर अग्रवाल ने खनिज विभाग की कार्यशैली पर तीखा हमला बोलते हुए जिला कलेक्टर को फोन पर फटकार लगाई और बजरी माफियाओं के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की।

सांसद अग्रवाल ने साफ कहा कि खनिज विभाग का बजरी माफियाओं के प्रति 'नरम रवैया' अब आमजन की जान पर भारी पड़ रहा है। अवैध बजरी खनन और दोहन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिए कि प्रशासन, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम गठित कर अवैध बजरी से जुड़े सभी ट्रैक्टर और डंपरों पर तुरंत शिकंजा कसा जाए।

सांसद ने कहा कि जिले की सड़कों पर अवैध बजरी के ओवरलोड वाहन खुलेआम मौत बनकर दौड़ रहे हैं। इन वाहनों की वजह से पिछले वर्षों में कई परिवार उजड़ चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक कठोर कार्रवाई करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि 'बजरी माफिया सरेआम मौत का तांडव कर रहे हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। '

अग्रवाल ने अवैध बजरी वाहनों की चपेट में आकर जान गंवाने वाले किशन सिंह, उदय सिंह, राकेश धाकड़, किशन हजूरी, भानुप्रताप और नारायण धोबी के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इन हादसों ने कई घरों के चिराग बुझा दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अब प्रशासन को केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि जमीनी सख्ती दिखानी होगी। सांसद ने कलेक्टर से आज ही संयुक्त टीम का गठन कर अवैध बजरी खनन, परिवहन और दोहन में लगी गाड़ियों को जब्त करने तथा दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश देने की मांग की।

'सेवा शून्य, वसूली फुल ': मूलभूत सुविधाएं नदारद, फिर भी 'यूजर्स चार्ज' थोपने की तैयारी से भड़के शहरवासी

सफाई ठप, नाले जाम, आवारा पशुओं का आतंक, चुनाव से पहले नगर निगम के खिलाफ तेज हुआ विरोध

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

नगर निगम द्वारा शहर में 'यूजर्स चार्ज' (उपयोगकर्ता शुल्क) को अनिवार्य किए जाने के फैसले ने शहरवासियों के गुस्से को भड़का दिया है। निगम का तर्क है कि सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण और शहरी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत है। लेकिन दूसरी तरफ जनता ने निगम की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल दागते हुए पूछा है– 'जब शहर में मूलभूत सुविधाएं ही पूरी तरह चरमराई हुई हैं, तो आखिर निगम किस सेवा का शुल्क वसूलना चाहता है? 'शहर के कई इलाकों में इस फैसले के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। लोग इसे 'सेवा नहीं, सीधी वसूली' बता रहे हैं।

10-15 दिन में आते हैं सफाईकर्मी, फिर आरएफआइडी का क्या काम?

नागरिकों का कहना है कि कॉलोनियों में सफाईकर्मी 10-15 दिन में एक बार दिखाई देते हैं, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और नालियां गंदगी व बदबू से अटी पड़ी हैं। ऐसे में यूजर्स चार्ज थोपना जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। वहीं, निगम द्वारा घरों के बाहर कचरा संग्रहण की मॉनिटरिंग के लिए ''आरएफआइडी कार्ड' लगाए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। शहरवासियों का कहना है कि पहले व्यवस्था सुधारनी चाहिए, फिर 'टेक्नोलॉजी का ढोल' पीटना चाहिए। जब नियमित कचरा ही नहीं उठ रहा, तो आरएफआइडी कार्ड लगाकर सिर्फ वसूली का नया माध्यम तैयार किया जा रहा है।

बारिश सिर पर, नाले जाम और अतिक्रमण की खानापूर्ति

मानसून सिर पर है, लेकिन शहर के बड़े नाले और नालियां अब तक साफ नहीं हो पाए हैं। हर साल बारिश में जलभराव से सड़कें तालाब बन जाती हैं, लेकिन निगम की तैयारियां हर बार सिर्फ फाइलों तक सीमित रह जाती हैं।

दूसरी ओर, अतिक्रमण हटाओ अभियान की पोल भी खुल गई है। नागरिकों का आरोप है कि जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया, वहां आज भी मलबा पड़ा है और कई जगहों पर तो अतिक्रमणकारी दोबारा काबिज हो गए हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि बिना मॉनिटरिंग के इस दिखावटी अभियान का क्या फायदा?

चुनावी साल में बन सकता है बड़ा जनआंदोलन:

शहर की टूटी सड़कें और आवारा पशुओं का आतंक हर दिन हादसों को न्योता दे रहा है। जनता की मांग है कि 'पहले सड़कें सुधारो, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करो, फिर पैसा मांगो।' चूंकि नगर निगम चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में यूजर्स चार्ज का यह मुद्दा अब राजनीतिक तूल पकड़ता दिख रहा है। कई सामाजिक संगठनों ने खुलकर विरोध शुरू कर दिया है। शहर में चर्चा है कि यदि निगम ने फैसला वापस नहीं लिया तो यह जल्द ही एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले लेगा। अब शहर में एक ही सवाल गूंज रहा है– 'जनता सुविधाएं मांगे तो खजाना खाली... और निगम वसूली करे तो व्यवस्था तैयार?

गो वंश को माता कहे जाने के बावजूद, ये नज़ारे आम है, कहां है गौ सेवक ???

स्मार्ट हलचल| राजेश जीनगर

भीलवाड़ा। जिस गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए पुरजोर मांग की जा रही है, उसी के विपरीत कुछ नजारे शहर के बीच पसरी गंदगी में मुंह मारती में गौ माता की दयनीय हालात की ये तस्वीरें कुछ और ही बयां कर रही है तो शायद एक पुकार भी है 'गौ माता करे पुकार हमारी भी सुनो सरकार.. '

ज्ञात रहे की कुछ दिन पूर्व है गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए शहर में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया था और कलेक्ट्रेट के बाद सैंकड़ों की तादाद में गोभक्तों ने प्रशासन को

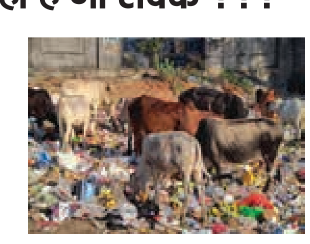

सरकारों के नाम ज्ञापन तक दिया है। क्या गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करवाने के बाद यह नजारे बदल जाएंगे या हिंदू धर्म संस्कृति में गाय को गौ माता का दर्जा देने वाले गौ भक्त इस बेबस व्यवस्था की ओर ध्यान देंगे या सिर्फ 'हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, यह तस्वीर बदलनी चाहिए' जैसे नारों के बाद क्या सही मायनों में इन तस्वीरों का यह कड़वा सच बदलेगा।

ऊलेला पंचायत में चमत्कार: 100 वर्षों से जल रही अखंड ज्योत, आधा तेल-आधा पानी बना आस्था का केंद्र

भगवान चारभुजा नाथ के मंदिर में तालाब के पानी से प्रज्वलित हो रहा दीपक; युवाओं ने 10 हजार पौधे लगाकर पेश की पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

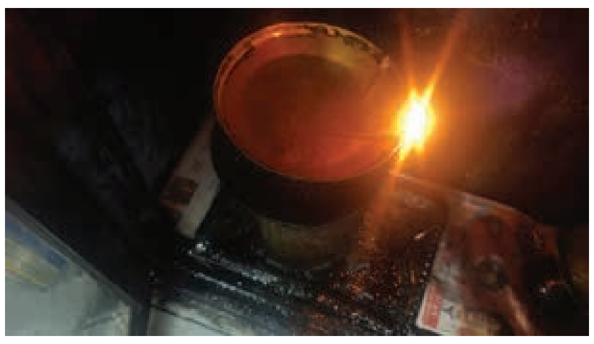

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर/ऊलेला। भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर तहसील स्थित ऊलेला ग्राम पंचायत अपनी एक अनोखी धार्मिक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण के उत्कृष्ट कार्यो के कारण पूरे क्षेत्र में विशेष पहचान बना चुकी है।

लगभग 2500 की आबादी वाले इस गांव की साक्षरता दर करीब 80 प्रतिशत है और यह पंचायत एमडीआर-7 सड़क मार्ग से जुड़ी होने के कारण बेहतर संपर्क रखती है। लेकिन इस गांव की असली पहचान यहां का वह चमत्कारिक मंदिर है, जहां पानी से दीपक जलता है।

12 मंदिर और 10 हजार पौधे, युवाओं की अनूठी पहल:

छोटा गांव होने के बावजूद यहां के लोगों में गहरी धार्मिक आस्था है। गांव में लगभग 12 मंदिर हैं। धार्मिक आस्था के साथ-साथ गांव के युवा पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। गांव के युवाओं ने सभी देवस्थानों को केंद्र बनाकर अब तक लगभग 10 हजार पौधे लगाए हैं। ग्रामीण हर वर्ष मिलकर पौधारोपण करते हैं और पूरे वर्ष उनकी बच्चों की तरह देखरेख भी करते हैं। युवाओं की इसी मेहनत से गांव में हरियाली बढ़ी है। धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता के कारण ऊलेला पंचायत आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई है।

आधा तेल और आधा पानी मिलाकर जल रही ज्योत:

ऊलेला गांव की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थित भगवान चारभुजा नाथ का प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर में पिछले करीब 100 वर्षों से अखंड ज्योत निरंतर प्रज्वलित हो रही है। ग्रामीणों और मंदिर पुजारियों के अनुसार, इस दीपक में आधा तेल और आधा तालाब का पानी मिलाकर उपयोग किया जाता है। सबसे खास और चमत्कारिक बात यह है कि दीपक केवल इसी गांव के तालाब के पानी से जलता है और तेल तथा पानी दोनों समान मात्रा में समाप्त होते हैं।

तेजाजी महाराज के भाव में मिला था संदेश:

मंदिर के पुजारी मोतीलाल वैष्णव ने बताया कि वर्षों पहले गांव में तेजाजी महाराज के भाव (आवाहन) में यह ईश्वरीय संदेश मिला था कि इस तालाब के पानी से ही भगवान का दीपक जलेगा। इसके बाद उस समय आसपास के पांच गांवों के लोग एकत्रित हुए और तालाब का पानी लेकर भगवान के मंदिर में पहुंचे। जब ग्रामीणों ने केवल पानी से ही दीपक जलाने का प्रयास किया, तो आश्चर्यजनक रूप से दीपक प्रज्वलित हो गया। तभी से यह अखंड ज्योत लगातार जल रही है। वर्षों से यह परंपरा है कि पुजारी प्रतिदिन सुबह 4 बजे तालाब में स्नान करने जाते हैं और वहीं से पानी भरकर लाते हैं, जिससे ज्योत प्रज्वलित की जाती है। ग्रामीण इसे भगवान चारभुजा नाथ का साक्षात चमत्कार मानते हैं।

शंभूपुरा पुलिस की तस्करों के विरुद्ध ताबड़तोड़ 12 दिन में लगातार पाँचवी कार्यवाही

1 किलो 160 ग्राम अवैध अफ़ीम के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, बाईक जब्त

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत शंभूपुरा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 1 किलो 160 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज, उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार मादक पदार्थो के भंडारण एवं परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं डीएसपी विनोद कुमार के पर्यवेक्षण मे थानाधिकारी शंभुपुरा धर्मराज मीना द्वारा मय टीम कानि नरेश कुमार , रामकिशन, मुकेश कुमार, योगेन्द्र कुमार द्वारा दौराने नाकाबंदी थाना सर्कल में एक मोटर साइकिल से 1 किलो 160 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। मामले में दो आरोपी राजूनाथ पुत्र शंभूनाथ योगी उम्र 30 साल निवासी गांव जाट थाना रतनगढ़ जिला नीमच एमपी व सूरज नाथ पुत्र हजारी नाथ योगी उम्र 28 साल निवासी लालपुरा थाना रतनगढ़ जिला नीमच को गिरफ्तार किया गया। तस्करी में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल को जब्त किया गया। प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

बता दे कि शंभूपुरा थाना पुलिस की ताबड़तोड़ पिछले 12 दिन में यह लगातार पाँचवी कार्यवाही है, जिससे तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

1200 लीटर वॉश नष्ट, तीन गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | बिजौलिया

अवैध हथकड़ शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिजौलिया थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1200 लीटर वॉश नष्ट कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अजमेर रेंज आईजी राजेन्द्र सिंह एवं जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर जिलेभर में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और माण्डलगढ़ वृत्ताधिकारी बाबूलाल विश्नोई के सुपरविजन में थाना प्रभारी स्वागत पाण्डया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव चिताबड़ा में दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अवैध हथकड़ शराब बनाने में उपयोग की जा रही करीब 1200 लीटर वॉश को नष्ट किया। मौके से बाबूलाल उर्फ बाबू (55) निवासी चिताबड़ा, भीमालाल (54) निवासी काठबड़ा तथा निवास (27) निवासी चिताबड़ा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में उप निरीक्षक नरेश कुमार, सुनील बेनिवाल, सत्यनारायण चाष्टा, हेड कांस्टेबल हरिसिंह, विजयसिंह तथा कांस्टेबल हेमराम और नरेन्द्र की विशेष भूमिका रही।

बिजोलिया क्षेत्र को रेलवे मार्ग से जोड़ने की मांग

भाजपा के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में सांसद को सौप मांग पत्र

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। सांसद दामोदर अग्रवाल को बिजोलिया नगर को नई रेलवे लाइन से जोड़ने हेतु प्रस्तावित मार्ग मंदसौर नीमच सिंगोली होते हुए बिजोलिया व बिजोलिया से ऊपर माल रेलवे स्टेशन तक नया मार्ग जोड़ने के संबंध में भाजपा के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष मनोज गोधा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल में शामिल मंडल महामंत्री मुकेश धनोपिया ,मंडल उपाध्यक्ष शांति लाल जोशी,पूर्व मंडल महामंत्री वेदप्रकाश तिवारी, राजेश पटवारी ने ज्ञापन देकर इस कार्य हेतु सांसद अग्रवाल से भागीरथी प्रयास करने का आग्रह किया .

सांसद दामोदर अग्रवाल ने बिजौलियाँ क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से रेल्वे स्टेशन की अति आवश्यकता की गंभीरता को समझते हुए इस कार्य के लिए केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से अति शीघ्र दिल्ली में मिलकर पूर्ण प्रयास करने का आश्वासन दिया।

रेलवे-स्टेशन के अभाव में बिजोलिया क्षेत्र में रोजगार की बहुत कमी रहीं हैं जिससे बिजोलिया के मूल निवासी भी रोजगार के लिए पलायन करने लगे हैं साथ ही परिवहन की बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इस संबंध में ज्ञात होती हो कि बिजोलिया में सेंडस्टोन की भारत की सबसे बड़ी मंडी है,बिजोलिया से लगभग 80 देशों में सेंडस्टोन वर्तमान में सड़क मार्ग से होते हुए मुंद्रा पोर्ट गुजरात पहुंचकर निर्यात होता है नई रेलवे लाइन बिजोलिया से जुड़ने पर पत्थर की लागत भी कम आएगी एवं भारत सरकार को विदेशी मुद्रा भी बहुत अधिक मात्रा प्राप्त हो पाएगी।

अजमेर दरगाह विवाद मामले में कोर्ट का बड़ा आदेश, नए पक्षकार शामिल किए, 22 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में हिंदू मंदिर होने के दावे से जुड़े बहुचर्चित मामले में अदालत ने अहम आदेश जारी किए हैं। सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, अजमेर (पश्चिम) ने मामले में कई नए पक्षकारों को शामिल करने की अनुमति दी है, जबकि कुछ आवेदनों को खारिज करते हुए संबंधित प्रार्थियों पर जुर्माना भी लगाया है। यह आदेश भगवान श्री संकटमोचन व अन्य बनाम दरगाह कमेटी अजमेर व अन्य मामले में दिया गया। लंबे समय से चर्चा में बने इस विवाद में अदालत के ताजा फैसले के बाद एक बार फिर हलचल बढ़ गई है ।

अदालत ने किन्हें बनाया पक्षकार

अदालत ने हिंदू सेना से जुड़े विष्णु गुप्ता पक्ष के साथ राजवर्धन सिंह परमार को वादी पक्ष में शामिल करने की अनुमति दी है। इसके अलावा अदालत ने मोईनिया फखरिया चिश्ती खुद्दाम ख्वाजा साहिब सैयदजादगान, दीवान सैयद जैनुल आबेदीन और अंजुमन यादगार चिश्तियां शेखजादगान खुद्दाम ख्वाजा साहिब सहित कई

संगठनों और प्रतिनिधियों को प्रतिवादी के रूप में शामिल किया है। साथ ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, अल्पसंख्यक विभाग से जुड़ी दरगाह कमेटी और अन्य संबंधित पक्षों को भी मामले में पक्षकार बनाया गया है। अदालत ने कहा कि विवाद की प्रकृति को देखते हुए सभी संबंधित पक्षों की सुनवाई जरूरी है, ताकि मामले का निष्पक्ष निस्तारण हो सके।

वादी पक्ष को दिए निर्देश

अदालत ने वादी पक्ष को अगली तारीख से पहले संशोधित दस्तावेज पेश करने और नए पक्षकारों को वाद पत्र व अन्य जरूरी दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

9 आवेदनों को खारिज कर लगाया जुर्माना

सुनवाई के दौरान अदालत ने कुछ आवेदकों के आवेदन खारिज करते हुए उन पर जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि कई लोगों ने बिना पर्याप्त आधार के खुद को पक्षकार बनाने के लिए आवेदन दिए, जिससे न्यायालय का समय खराब हुआ।

अदालत ने कुल 9 प्रार्थियों के आवेदन खारिज करते हुए प्रत्येक पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इस तरह कुल 2.70 लाख रुपये की राशि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर में जमा कराने के आदेश दिए गए हैं।

अगली सुनवाई 22 जुलाई को

अदालत ने बताया कि मामले में आदेश 7 नियम 11 सीपीसी से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर बहस पूरी हो चुकी है। अब अन्य लंबित मामलों पर आगे नियमानुसार सुनवाई होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व से जुड़े इस विवाद पर पूरे देश की नजर बनी हुई है।

मुसी में नौ कुंडिय नव दिवसीय श्री शनि महाराज नवग्रह महायज्ञ आरम्भ

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

नौ कुंडिय नव दिवसीय श्री शनि महाराज नवग्रह महायज्ञ शनि महाराज मंदिर मुशा (मुसी) मे शुक्रवार को 108 जल कलशो की विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ ।

8 से 16 मई तक आयोजित होने वाले नो दिवसीय महोत्सव के पहले दिन 8 मई को कहारो का खेडा गांव स्थित चारभुजा मंदिर से पुजा अर्चना के पश्चात बेडबाजो के साथ विशाल कलश यात्रा शुरू हुई जो कि मुख्य मार्ग से होते हुए। आयोजन शनि धाम पहुच कर सम्पन्न हुई। इसके पश्चात यज्ञाचार्य पं.विकास शास्त्री (बाँसा) जयपुर द्वारा विधी विधान से दशविधी स्नान हेमाद्री संकल्प प्राश्चित हवन पंचाग पूजन मातृका पुजन मंडप प्रवेश ब्राह्मण चरण संध्या आरती अरणी मंथन अग्नि स्थापना के साथ ही हवन शुरू हुआ । वही 8 से 15 मई तक रात्री 7.30 बजे से दिव्य दर्शन रामलीला मंडल नागोर के कलाकारों भगवान राम की लीलाओं का मंचन किया जाएगा। वही 9 से 15 मई तक दोपहर 2.30 बजे तक श्री मद भागवत ज्ञान महायज्ञ का आयोजन होगा।

वही 9 मई शनिवार से प्रात 7.15 से 11.15 बजे तक नित्य पुजन तथा प्रात 11.15 बजे से दोपहर 2.15 बजे तक यज्ञ कुंड में यजमानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बिच आहुतियां दी जाएगी। तथा महोत्सव के अंतिम दिन 16 मई को महायज्ञ की पुर्नाहुति होगी। उक्त नौ दिवसीय महोत्सव वीतराग तपोनिष्ठ यज्ञ सम्राट संत श्री श्री 108 मंहत प्रमोद दास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित हो रहा है।

ग्रीष्मावकाश सहित अन्य अवकाशों में मनमानी कटौती का विरोध

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

ग्रीष्मावकाश सहित अन्य अवकाशों में मनमानी कटौती को वापस लेने की मांग को लेकर राज-स्थान शिक्षक संघ (सियाराम) द्वारा चलाए जा रहे प्रांतव्यापी आंदोलन के तहत जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) कार्यालय के बाहर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री को सद्बुद्धि प्रदान करने की कामना को लेकर सद्बुद्धि यज्ञ किया। यह जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि यज्ञ से पूर्व उपस्थित पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने श्री हनुमान चालीसा के 21 पाठ कर कामना की। संगठन के जिला मंत्री महेश मंडोवरा ने बताया कि कॉलेज शिक्षा में 60 दिन का ग्रीष्मावकाश किया गया है जबकि स्कूली शिक्षा में सिर्फ 35 दिन का ही ग्रीष्मावकाश रखा गया है। भीषण गर्मी में बच्चों को स्कूल बुलाना पूर्ण रूप से अव्यावहारिक है। साथ ही तृतीय वेतन श्रृंखला अध्यापकों की पदोन्नति एवं स्थानांतरण का कार्य विगत 5 - 6 वर्षो से बकाया है। संगठन के संभागीय मंत्री लीलाधर तिवारी ने बताया कि सद्बुद्धि यज्ञ में भारती झा, नीलम सिन्हा, राजीव पिल्लई, शिवराज झंवर, अजय जैन, वीणा शर्मा, सुमित मुरारी, सत्यनारायण खटीक, परिधि सैनी, मधुमती मुनोत, योगेंद्र कुमार जैन, सत्यनारायण ओझा, विनोद शर्मा, अनिल पारीक, संजीव मेहता, रामावतार शर्मा, सुधीर जावा, उमा वैष्णव, रेखा यादव, ओम प्रकाश सेन, पीयूष चंदेल, राजेंद्र कुमार जोशी, मनमोहन खोरवाल, शांति लाल शर्मा सहित कई शिक्षकों व पदाधिकारियों ने सद्बुद्धि यज्ञ में आहुतियाँ दी।

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 रद्द, अब दोबारा होगी परीक्षा, केवल पुराने अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका

स्मार्ट हलचल

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सरकार की अनुशंसा के बाद वर्ष 2021 में आयोजित उप निरीक्षक/ प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2021 को निरस्त कर दिया गया है। अब यह परीक्षा नए सिरे से आयोजित की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट पर जारी की जा रही है।

केवल पुराने अभ्यर्थी ही हो सकेंगे शामिल

आयोग अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने बताया कि पुनः परीक्षा में केवल वही 3,83,097 अभ्यर्थी बैठ सकेंगे, जो पूर्व में आयोजित लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में शामिल हुए थे। नए आवेदकों को इसमें अवसर नहीं दिया जाएगा। परीक्षा का आयोजन सितंबर 2026

में होना संभावित है।

16 मई से शुरू होगी आवेदन संशोधन प्रक्रिया

अभ्यर्थियों को उनके पूर्व में भरे गए आवेदन पत्रों में आवश्यक सुधार और अपडेट करने का अवसर दिया जा रहा है। संशोधन की प्रक्रिया 16 से 30 मई 2026 तक चलेगी। इस दौरान अभ्यर्थी मोबाइल नंबर, ईमेल एड्रेस और पत्राचार का पता में बदलाव कर सकेंगे।

ओटीआर केवाइसी करना होगा अपडेट

आवेदन में किसी भी प्रकार का संशोधन करने से पहले अभ्यर्थी को अपने वन टाइम रजिस्ट्रेशन में केवाइसी प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। यदि अभ्यर्थी ने अपनी एसएसओ आईडी बदल ली है, तो वे फेच एप्लीकेशन फार्म विकल्प का उपयोग कर अपना पुराना डाटा नई प्रोफाइल में ट्रांसफर कर सकते हैं। ओटीआर में सेव लाइव फोटो, सिग्नेचर और अंगूठे का निशान स्वतः ही ओटीआर से फैच हो जाएंगे। यदि ओटीआर में पूर्व में केवाइसी पूर्ण नहीं है, तो इसे पूर्ण करना आवश्यक होगा।

स्वघोषणा एवं बायोमेट्रिक उपयोग की सहमति

यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी प्रविष्टि में संशोधन नहीं किया जाना हो तो भी आवेदन-पत्र को एडिट मोड में खोलकर संशोधन की आवश्यकता न होने संबंधी घोषणा तथा ओटीआर में प्रयुक्त लाइव फोटो, सिग्नेचर और अंगूठा निशानी के प्रयोग हेतु सहमति अनिवार्य रूप से प्रदान करनी होगी। इसके उपरांत ही फाइनल सब्मिट बटन पर क्लिक के पश्चात रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर आवेदन सब्मिट करना होगा। निर्धारित प्रक्रिया की पालना न करने पर आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पात्रता की शर्तें यथावत

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि अभ्यर्थियों की पात्रता (आयु, आरक्षण और शैक्षणिक योग्यता) का निर्धारण उनके 2021 के आवेदन के समय की स्थिति के आधार पर ही किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे विस्तृत जानकारी के लिए समय-समय पर आयोग की आधिकारिक वेबसाइट और रिक्रूटमेंट पोर्टल का अवलोकन करते रहें।

एएनटीएफ की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 514 ग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। प्रदेशभर में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ ने भीलवाड़ा जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 514 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। ए.एन.टी.एफ महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन, एएनटीएफ उप महानिरीक्षक अभिजीत सिंह तथा पुलिस अधीक्षक अमित जैन के नेतृत्व में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

सूचना मिलते ही बिछाया जाल

एएनटीएफ टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार होकर गिलूण्ड से पोटला की ओर अवैध अफीम लेकर जा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने गंगापुर पुलिस के साथ मिलकर पोटला पुलिस चौकी के सामने नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान बताए गए हुलिए के अनुसार एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो दोनों युवक घबरा गए। शक होने पर पुलिस ने तलाशी ली, जिसमें उनके पास से 514 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई।

मोटरसाइकिल सहित अफीम जब्त

पुलिस ने मौके से 514 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम और मोटरसाइकिल जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि अफीम सप्लाई नेटवर्क के अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

गिरफ्तार आरोपी

प्रकाश पुत्र उदयराम गाडरी (40) निवासी गडरियावास, सहाड़ा थाना गंगापुर, जिला भीलवाड़ा रतनलाल पुत्र रामलाल जाट (52) निवासी जाट मोहल्ला, सहाड़ा थाना गंगापुर, जिला भीलवाड़ा।

7 दिन में 51 नंदियों की मौत पर फूटा गौ रक्षकों का आक्रोश

काइन हाउस के बाहर दिया धरना, गौ रक्षक बोले गौवंशो की इस तरह हो रही मौतें कतई बर्दाश्त नहीं

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के जमना विहार स्थित नगर निगम संचालित काइन हाउस में लगातार हो रही गौवंश की मौतों को लेकर गौसेवकों में भारी आक्रोश देखने को मिला। पिछले सात दिनों में 51 गौवंश की मौत होने का दावा करते हुए बड़ी संख्या में गौभक्त काइन हाउस के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई गई। गौसेवकों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मान ली जाती, तब तक धरना जारी रहेगा।

श्रीराम गौ सेवा समिति के अध्यक्ष राम बाबु राव ने आरोप

लगाते हुए कहा भीलवाड़ा शहर से पकड़कर लाए जा रहे गौवंश को क्षमता से अधिक संख्या में काइन हाउस में रखा जा रहा है। जहां काइन हाउस की क्षमता करीब 800 गौवंश की है, वहीं यहां 1000 से 1200 तक गौवंश ठूंस-ठूंसकर रखे जा रहे हैं। भीड़, चारे की कमी और आपसी लड़ाई के कारण रोजाना कई नंदी दम तोड़ रहे हैं। यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सनातन संस्कृति और गौसेवा की भावना पर गहरी चोट है। 1 मई से अब तक 51 गौवंश की मौत हो चुकी है। हम प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच कराने, छोटे नंदियों को काइन हाउस में बंद करने पर रोक लगाने और गौवंश को अन्य गौशालाओं में शिफ्ट करने की मांग कर रहे है।

वहीं राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहनी के जिलाध्यक्ष नानू राम तेली ने कहा कि काइन हाउस में ना पर्याप्त चारा-पानी की व्यवस्था है और ना ही इलाज की सुविधा। लगातार हो रही मौतों के बावजूद नगर निगम प्रशासन गंभीरता नहीं दिखा रहा है। जब तक अधिकारी मौके पर आकर संतोषजनक कार्रवाई का भरोसा नहीं देते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कल्याणी फाउंडेशन के 'ईवॉल्व द सुपर मोम' उत्सव में छलका मातृत्व का गौरव

समाज के लिए मिसाल बनीं रक्षा को मिला 'प्राउड मदर अवार्ड', सुपर मॉम कॉन्टेस्ट में रेणु, सुपर सेल्फी में निक्की बनी विजेता

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। विश्व मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में कल्याणी फाउंडेशन द्वारा भिक्षु विहार में 'ईवॉल्व द सुपर मोम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसजीएसटी विभाग की डिप्टी कमिश्नर शेलू छाजेड उपस्थित रहीं। अध्यक्षता फाउंडेशन की अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर एवीवीएनएल की कार्मिक अधिकारी अंशिका जैन, मिश्री की फाउंडर रक्षा जैन एवं महावीर इंटरनेशनल कनक की अध्यक्ष सुमन दुगड़ ने शिरकत की। समारोह का शुभारंभ कल्याणी थीम सॉन्ग और नई सदस्यों के 'बेज' अलंकरण के साथ हुआ। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शेलू छाजेड ने कहा कि एक माँ केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज के विकास का आधार स्तंभ है। आज की महिलाएँ जिस तरह से अपनी पेशेवर ज़िम्मेदारियों और पारिवारिक मूल्यों के बीच संतुलन बना रही हैं, वह वाकई वंदनीय है। फाउंडेशन की अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने कहा कि मातृत्व का उत्सव केवल एक दिन का नहीं, बल्कि हर उस पल का है जब एक माँ अपने सपनों को पंख देती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा उद्देश्य महिलाओं के भीतर छुपे आत्मविश्वास को बाहर लाना और उन्हें सम्मानित करना है।

बिजनेस शोकेस ने बढ़ाया कामकाजी महिलाओं का हौंसला

फाउंडेशन की उद्यमी महिलाओं ने 'बिज़नेस शोकेस' के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रस्तुति के माध्यम से अपने व्यवसाय और प्रोडक्ट्स की विस्तृत जानकारी महिलाओं के समक्ष रखी जिसकी सभी ने सराहना कर उनका हौंसला बढ़ाया। यह सेशन महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने का उपक्रम साबित हुआ।

पुरस्कारों की रही धूम - सुपर मॉम और सेल्फी कॉन्टेस्ट ने बढ़ाया रोमांच

कार्यक्रम के आकर्षण 'सुपर मॉम' कॉन्टेस्ट में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 'डिस्क्राइब योरसेल्फ' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' बाधा दौड़ जैसे रोचक चरणों के बाद निर्णायक मंडल ने विजेताओं की घोषणा की।सुपर मॉम कॉन्टेस्ट में रेणु जैन ने प्रथम, मीना पगारिया ने द्वितीय और अलका बाबेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार ऑनलाइन सुपर सेल्फी कॉन्टेस्ट में निक्की खटोड़ प्रथम, प्रीति सिंगावत द्वितीय, रुचि अग्रवाल एवं पिंकी सोनी तृतीय स्थान पर रहीं। लकी ड्रॉ में पूजा मल्होत्रा विजेता रही। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा आकर्षक पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्राउड मदर अवार्ड ने बढ़ाई समारोह की गरिमा

कार्यक्रम की सबसे भावुक और गौरवमयी कड़ी प्राउड मदर अवार्ड रही, जिसमें समाज के समक्ष दुग्धदान कर मिसाल कायम करने वाली वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर श्रीमती रक्षा जैन को सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी पहली डिलीवरी के बाद उन्होंने जून 2018 से 2019 तक 54 लीटर दूध दान किया। अपनी दूसरी डिलीवरी के बाद, उन्होंने 2023 में 106.81 लीटर दूध दान किया। एक मां के रूप में उनका कुल योगदान 160.81 लीटर रहा, जिससे जरूरतमंद बच्चों को 5,000 बार से ज्यादा दूध पिलाया गया है। कार्यक्रम का संचालन एकता लोढ़ा ने किया। व्यवस्थाओं में सपना बाहेती, सविता सोमानी, प्रिया मेडतवाल, पूनम जैन, रक्षिता शर्मा, पूजा मल्होत्रा, हेमा जेठानी, सुरभि चोरडिया, प्रिया लोढ़ा, रीना बापना का विशेष सहयोग रहा।

रवि लोट हत्याकांडः वाल्मीकि समाज का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

परिवार को नौकरी-मुआवजा और बुलडोजर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। बड़लियास निवासी और वर्तमान में तिलक नगर में रह रहे युवक रवि लोट की हुई निर्मम हत्या को लेकर वाल्मीकि समाज के लोगों ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान समाज के लोग मृतक का प्रतीकात्मक पुतला लेकर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। बाद में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और सांसद को ज्ञापन सौंपा। वाल्मीकि महापंचायत सम्पूर्ण भारत के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र नकवाल ने बताया कि 2 अप्रैल 2026 की रात सोनी हॉस्पिटल के पास रवि लोट की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सहायता का मौखिक आश्वासन दिया गया था, जिसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया था।

ज्ञापन में मांग की गई कि मृतक के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए तथा एक्सिस बैंक से लिया गया गृह ऋण माफ किया जाए। साथ ही परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्रवाई करने और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर दोषियों को मृत्युदंड दिलाने की मांग भी उठाई गई।

समाज के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं हुईं तो पूरे राजस्थान में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

हरि हरात्मक यज्ञ में विष्णु सहस्त्रनाम की 80 हजार आहुतियां लगाई

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। कस्बे के निकटवर्ती बड़ला गांव में बोर का मंड देवनारायण मंदिर पर पीपल विवाह और काल भैरव की मूर्ति स्थापना को लेकर यज्ञ की शुरुआत बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, तीसरे दिन गुरुवार को पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कुंड में विष्णु सहस्त्रनाम की 80 हजार आहुतियां लगाई । ग्रामीणों ने बताया कि बडला-पीथास रोड़ पर स्थित बोर का मंड देवनारायण भगवान के यहां पर काल भैरव की मूर्ति स्थापना के साथ ही भगवान देवनारायण का पीपल संग विवाह के पंच दिवसीय पंच कुंडात्मक श्री हरि हरात्मक यज्ञ चल रहा, जिसमें तीसरे दिन शुक्रवार को प्रातः 8:15 बजे स्थापित देवी देवता की पूजा अर्चना की तथा हवन कुंड में आहुतियां लगाई, वही भेरुनाथ की मूर्ति का चावला धिवास, घृता धिवास, फला धिवास और फुला धिवास किया गया । पांच हवन कुंड पर 40 जोड़ों ने विष्णु सहस्त्रनाम की 80 हजार आहुतियां लगाई । पीपल विवाह के लिए शनिवार को महा अभिषेक होगा एवं सायं 5 बजे बड़ी हरणी से मंगरी के देवनारायण भगवान के यहां से बारात बड़ला गांव आएगी, जो रविवार अल सुबह देवनारायण और पीपल का शुभ विवाह होगा, रविवार को ही काल भैरव की मूर्ति स्थापना और हरि हरात्मक यज्ञ की पूर्णाहुति होगी।

आकोला में कलश स्थापना के साथ ही पंचकुंडीय विष्णु महायज्ञ संपन्न, नानी बाई मायरो कथा संपन्न

सनातन संस्कृति अपनाने पर जोर दिया, आयोजित भजन संध्या में भौर तक नाचे श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। आकोला गांव में पिछले नो दिन से चल रहा पंच कुंडिय विष्णु महायज्ञ शुक्रवार को संपन्न हुआ । यज्ञाचार्य भगवती प्रसाद शास्त्री व गोपाल लाल भट्ट ने बताया कि मुख्य यजमान रुक्मण बृजराज कृष्ण उपाध्याय के साथ सभी जोड़ों ने प्रातः 6 बजे यज्ञ स्थल से गाजे बाजे के साथ शिव परिवार की शोभायात्रा आरंभ हुई । जो कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए लक्ष्मीनाथ मंदिर पहुंची, जहां 7:15 बजे शुभ मुहूर्त में शिव परिवार की स्थापना रूगनाथ मंदिर पर गणेश कार्तिकेय व पार्वती की मूर्ति स्थापना हुई । इसके बाद 11 बजे यज्ञ स्थल से लक्ष्मीनाथ मंदिर, नाहर माता मंदिर, तेजाजी मंदिर पर स्थापित होने वाले स्वर्ण कलशों की बैंड बाजों, ढोल के साथ शोभा यात्रा निकाली गई, दोपहर में 12:15 बजे लक्ष्मीनाथ मंदिर पर कलश स्थापना की गई, इस दौरान पूरा कस्बा लक्ष्मीनाथ भगवान के जयकारों से गूंज उठा । इसके बाद नाहर सिंह माता जी, तेजाजी मंदिर पर कलश स्थापना की गई, इस दौरान रघुनाथ मंदिर पर मार्बल कलश स्थापना जय कारो से कस्बा गूंजता रहा । इसके बाद यज्ञ शाला में यज्ञ की पूर्णाहुति का कार्यक्रम संपन्न करवाया गया । वहीं शिवालय धाम पर यज्ञ में पधारे रामदास फलाहारी बाबा पलवल हरियाणा, सियालिया आश्रम बस्सी से त्यागी रामदास जी, नून का गणेश जी, लाल बाबा, काठियावाड़ी महाराज सहित बड़ी संख्या में आए संतों की विदाई धाम के महंत रामस्नेहीदास जी महाराज के सानिध्य में की गई । इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, पूर्व प्रधान विजय सिंह राणावत, शोभा लाल जाट, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे । भोर तक जमी भजन संध्या लक्ष्मीनाथ की महिमा नारी, आयुष शर्मा, आकोला कस्बे में चल रहे विष्णु महायज्ञ के दौरान गुरुवार को बस स्टैंड पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया । भजन संध्या की शुरूआत राजसमंद से आए भजन गायक आशीष पारीक के द्वारा गणपति वन्दना से की गई, इसके बाद टोंक से आए राजस्थान के प्रसिद्ध भजन गायक श्रवण सेदरी ने हनुमान जी, परण मारो छैल छोगालो तुलछा सहित कई भजन प्रस्तुत किए । इसके बाद आशीष शर्मा ने लक्ष्मीनाथ की महिमा नारी, बाज रिया मंदिर में बाजा मारी नृसिंह माता, सहित कई अन्य भजन प्रस्तुत किए । राजू लोहार आकोला सहित कई अन्य भजन प्रस्तुत किए । इस दौरान बड़ी संख्या में श्रोता भजनों का आनंद लेते रहे।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश जैन ने जिला कारागृह का किया औचक निरीक्षण

बंदियों की स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन गुणवत्ता और साफ-सफाई का लिया जायजा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के तहत जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल भार्गव ने शुक्रवार को जिला कारागृह भीलवाड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश जैन ने जेल अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह फौजदार एवं चिकित्सकों से बंदियों के स्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

न्यायाधीश ने जेल परिसर स्थित रसोईघर का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता भी जांची तथा बैरकों में पहुंचकर बंदियों से संवाद किया। उन्होंने साफ-सफाई बनाए रखने और जरूरतमंद बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान सचिव विशाल भार्गव, चिकित्सक अभिषेक शर्मा, जेलर हीरालाल गुर्जर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

करेडा में फेयरशॉप डीलर फेडरेशन की तहसील कार्यकारिणी का गठन

चुण्डावत निर्विरोध तहसील अध्यक्ष चुने गए

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। ऑल इंडिया फेयरशॉप डीलर फेडरेशन के बैनर तले शुक्रवार को करेडा तहसील के राशन डीलरों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार खटीक की मौजूदगी एवं वरिष्ठ संरक्षक भैरूलाल चावंडिया की अध्यक्षता में तहसील कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न कराए गए। चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से पूरण सिंह चुण्डावत को निर्विरोध तहसील अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष का डीलरों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

बैठक में 13 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन भी किया गया, जिसमें ओंकारलाल गुर्जर, गोपाललाल आचार्य, भागीरथ गुर्जर, भगवान सिंह चुण्डावत, रामेश्वर खटीक, योगेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार खटीक ने संगठन की एकता को डीलरों की ताकत बताते हुए सभी पदाधिकारियों से सक्रिय और पारदर्शी कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में तहसील के बड़ी संख्या में राशन डीलर मौजूद रहे।

चित्तौड़गढ़ः 'मां भारती शिक्षक सदन' का लोकार्पण, विद्यालयों में गुरुकुल भाव जगाएं शिक्षकः निंबाराम

समाज को दिशा दर्शन देना ही शिक्षक का परम कर्तव्यः महेंद्र कपूर

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान के नवीन जिला कार्यालय 'मां भारती शिक्षक सदन' का भव्य लोकार्पण गुरुवार को संपन्न हुआ। अनंतरामजी महाराज के सानिध्य और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि निंबाराम ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक का मूल कार्य व्यक्ति निर्माण है। शासकीय विद्यालयों में पुनः 'गुरुकुल' जैसा पवित्र भाव जागृत करना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि हमारा जीवन लक्ष्य भारत माता की आराधना होना चाहिए।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि शिक्षक समाज का केंद्र बिंदु है। प्रलय और निर्माण दोनों शिक्षक की गोद में पलते हैं। उन्होंने 'विद्यार्थी देवो भव' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि सरकारी विद्यालय तीर्थ बनें और शिक्षक योग्यतम् बनकर समाज का मार्गदर्शन करें।

समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांत कार्यवाह शंकर लाल माली, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या और प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा उपस्थित रहे। विधायक आक्या ने कहा कि राष्ट्र विरोधी विमर्श के दौर में शिक्षकों पर भावी पीढ़ी को संस्कारित करने का बड़ा दायित्व है। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और सुंदरकांड पाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश, संभाग और जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

विधायक आक्या ने किया धीरजी का खेड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति पर चना व सरसो तौल केंद्र का निरीक्षण

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

चित्तौड़गढ़। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने शुक्रवार को ग्राम सेवा सहकारी समिति धीरजी का खेड़ा में चल रहे चना व सरसो तोल केंद्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान विधायक आक्या ने ग्राम सेवा सहकारी समिति धीरजी का खेड़ा के स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन कर 27 अप्रैल से 30 मई तक चल रहे चना व सरसो तोल केंद्र की समीक्षा की।

विधायक आक्या द्वारा जानकारी मांगने पर व्यवस्थापक गणेश लाल त्रिपाठी द्वारा बताया गया की 27 अप्रैल से ही चना व सरसो की फसल का तौल केंद्र निरंतर चल रहा है तथा 7 मई तक धीरजी का खेड़ा तौल केंद्र पर 589 किसानो द्वारा रजिस्टेऊशन कराया गया है। किसानो से अब तक प्राप्त कुल चना की फसल में से 600 बेग चना चित्तौड़गढ़ वेयर हाउस भिजवाया जा चुका है तथा 4057 बेग चना तोल के पश्चात मोके पर उपलब्ध है। विधायक आक्या ने उपस्थित किसानो से बात करते हुए कहां की प्रदेश की भजन लाल सरकार द्वारा इस बार फसलों की न्युनतम समर्थन मूल्य पर खरीद में वृद्धि करते हुए 5875 रूपये प्रति क्विंटल की दर से चना एवं 6200 रूपये प्रति क्विंटल की दर से सरसो की खरीद की जा रही है जो अभी तक की सर्वाधिक है। किसानों द्वारा सरकार द्वारा अधिकृत तौल केंद्र पर अपनी फसल बेचने के पश्चात अल्प समय में ही भुगतान किसानो के बैंक खातो में पहुंच रहा है। जिससे किसानो में बेहद उत्साह है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक रायका, पूर्व मण्डल अध्यक्ष पवन आचार्य, पुखराज सरूपरिया, लाला वैष्णव, गणपत जाट, मिठुसिंह सहित बड़ी संख्या में किसान व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कर्मयोगी अवार्ड से सम्मानित हुए आरएएस अधिकारी मुकेश कुमार

हार्टफुलनेस मेडिटेशन के माध्यम से तनाव प्रबंधन, जनसेवा एवं युवा प्रेरणा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

जयभद्र फाउंडेशन संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी मुकेश कुमार को तीसरे कर्मयोगी सम्मान समारोह में 'राष्ट्रीय कर्मयोगी अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान नई दिल्ली के इंडिया हेबिटेट सेंटर में आयोजित गरिमामयी समारोह में प्रदान किया गया। इस समारोह में देशभर के प्रशासन, सामाजिक सेवा, चिकित्सा, वित्तीय एवं आध्यात्मिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

समारोह में लगभग पचास से अधिक आईएएस, आईपीएस, आइआरएस अधिकारियों के साथ चिकित्सा विशेषज्ञों, वित्तीय क्षेत्र के अधिकारियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

वर्तमान में राजस्थान के माननीय राज्यपाल के उप सचिव के रूप में कार्यरत मुकेश कुमार पूर्व में चित्तौड़गढ़, उदयपुर, जोधपुर सहित विभिन्न जिलों एवं विभागों में अतिरिक्त जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर सक्रिय रहे हैं।

मुकेश कुमार अंतराष्ट्रीय संस्थान हार्टफुलनेस मेडिटेशन के सर्टिफाइड ट्रेनर एवं जोनल कोऑर्डिनेटर भी हैं। वे निःशुल्क रूप से सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन और सकारात्मक कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने हेतु ध्यान आधारित सेशन आयोजित करते रहे हैं। उनके इन प्रयासों से अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं।

इसके साथ ही वे युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं एवं अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए प्रेरित करने, व्यक्तित्व विकास तथा आत्मविश्वास निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ध्यान, आध्यात्मिक जागरूकता और आंतरिक संतुलन के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने की उनकी पहल को व्यापक सराहना मिल रही है।

समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच ध्यान और मानसिक संतुलन की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है, और इस दिशा में मुकेश कुमार का योगदान प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है।

यह सम्मान उनके प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ समाज और मानव कल्याण के प्रति उनकी सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है।

जयपुर में एसयूवी बनीं मौत की बड़ी वजह, सड़क हादसों में 1001 मौतें

555 सुसाइड केस ने भी बढ़ाई चिंता

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर देश के सबसे ज्यादा हादसाग्रस्त महानगरों में शामिल हो गई है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (ह्ष्ट•) की 'एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया 2024' रिपोर्ट के अनुसार जयपुर में वर्ष 2024 के दौरान कुल 2,959 आकस्मिक मौतें दर्ज की गईं। इस आंकड़े के साथ जयपुर देश के 53 बड़े शहरों में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सड़क हादसे जयपुर में मौतों की सबसे बड़ी वजह बनकर सामने आए हैं। वर्ष 2024 में जयपुर में ट्रैफिक हादसों में 1,001 लोगों की मौत हुई, जो दिल्ली के बाद देश के बड़े शहरों में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं 8 60 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में दर्ज हुई और 2,580 लोग घायल हुए।

एसयूवी और कारें बनीं सबसे बड़ा खतरा

एनसीआरबी रिपोर्ट में सामने आया है कि जयपुर में सबसे ज्यादा जानलेवा हादसे एसयूवी, कार और जीप से जुड़े रहे। इन वाहनों से जुड़े हादसों में 135 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा ट्रक और मिनी ट्रकों से जुड़े हादसों में 77 लोगों की जान गई, जबकि बसों से जुड़े हादसों में 6 मौतें दर्ज की गईं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि पैदल चलने वाले लोग भी जयपुर की सड़कों पर सुरक्षित नहीं हैं। शहर में 187 पैदल यात्रियों की सड़क हादसों में मौत हुई। यह आंकड़ा बताता है कि तेज रफ्तार और कमजोर पैदल यात्री इंफ्रास्ट्रक्चर शहर में बड़ा खतरा बन चुका है।

ओवरस्पीडिंग सबसे बड़ा कारण

एनसीआरबी के अनुसार देशभर के बड़े शहरों में सड़क हादसों में मौत का सबसे बड़ा कारण ओवरस्पीडिंग रहा। कुल सड़क हादसा मौतों में 52.8 प्रतिशत मौतें तेज रफ्तार की वजह से हुईं। वहीं लापरवाही से ड्राइविंग और खतरनाक ओवरटेकिंग के कारण 30.1 प्रतिशत लोगों की जान गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शाम 6 बजे से रात 9 बजे के बीच सबसे ज्यादा सड़क हादसे हुए। विशेषज्ञों के मुताबिक इस दौरान ट्रैफिक दबाव, जल्दबाजी और तेज रफ्तार दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनती है।

राजस्थान भी हादसों में देश के टॉप राज्यों में

राज्य स्तर पर देखें तो राजस्थान में वर्ष 2024 के दौरान कुल 30,794 आकस्मिक मौतें दर्ज की गईं। यह देश में हुई कुल आकस्मिक मौतों का 6.6 प्रतिशत है। राजस्थान की आकस्मिक मृत्यु दर प्रति लाख आबादी पर 37.5 रही, जो राष्ट्रीय औसत 33.3 से काफी ज्यादा है। राजस्थान में ट्रैफिक हादसों में 12,284 लोगों की मौत हुई, जिससे यह देश के सबसे प्रभावित राज्यों में शामिल हो गया।

मानसिक स्वास्थ्य भी बड़ी चिंता

एनसीआरबी रिपोर्ट ने राजस्थान में बढ़ते आत्महत्या मामलों को लेकर भी चिंता जताई है। राज्य में वर्ष 2024 के दौरान कुल 5,530 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें 4,042 पुरुष और 1,488 महिलाएं शामिल हैं। केवल जयपुर शहर में ही 555 आत्महत्या के मामले दर्ज हुए। इनमें 404 पुरुष और 151 महिलाएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार देशभर में पारिवारिक समस्याएं, बीमारी और नशे की लत आत्महत्या के प्रमुख कारण रहे।

विशेषज्ञों ने बताई वजह

विशेषज्ञों का मानना है कि जयपुर में तेजी से बढ़ती आबादी, वाहनों का दबाव, शहर का विस्तार और ट्रैफिक नियमों की कमजोर पालना हादसों की बड़ी वजह है। खासकर अजमेर रोड, दिल्ली रोड, टोंक रोड, रिंग रोड और बड़े शहरी कॉरिडोर पर तेज रफ्तार हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। रोड सेफ्टी विशेषज्ञों ने ओवरस्पीडिंग पर सख्त कार्रवाई, बेहतर फुटपाथ और पैदल पार पथ, ब्लैक स्पॉट सुधार, ट्रॉमा केयर सिस्टम मजबूत करने और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत बताई है। एनसीआरबी के आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो जयपुर देश के सबसे खतरनाक शहरी क्षेत्रों में और ऊपर पहुंच सकता है।

चित्तौड़गढ़: कांग्रेस सेवादल की जिला बैठक सम्पन्न, संगठन मजबूती पर मंथन

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

जिला कांग्रेस सेवादल के जिला पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को स्टेशन रोड़ स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि राजस्थान कांग्रेस सेवादल प्रभारी गोविन्दभाई पटेल और जोन प्रभारी व प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला रहे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में संभाग प्रभारी विनोद दादा पाठक मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गौतम विजयवर्गीय ने की।

सेवादल के बिना कांग्रेस की मजबूती संभव नहीं

मुख्य अतिथि गोविन्द भाई पटेल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सेवादल पार्टी की रीढ़ की हड्डी है। सेवादल की मजबूती से ही कांग्रेस पार्टी सशक्त होगी। वहीं, जोन प्रभारी मोहन हटेला ने कहा कि मंडल एवं बूथ स्तर तक सेवादल के वर्दीधारी कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण कैम्पों का आयोजन किया जाएगा।

युवाओं और महिलाओं की बढ़ेगी भागीदारी

जिलाध्यक्ष गौतम विजयवर्गीय ने कहा कि जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का जल्द गठन किया जाएगा, जिसमें अधिकाधिक युवाओं एवं महिलाओं को जोड़ा जाएगा। इसके लिए ब्लॉक व मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं की बैठकें होंगी। वंदे मातरम् से शुरू होकर राष्ट्रगान के साथ हुआ बैठक का समापन। महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सना परवीन, यंग ब्रिग्रेड अध्यक्ष प्रभुलाल चौधरी सहित कई पदाधिकारी रहे मौजूद। जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव अहसान पठान ने भी किया सम्बोधित।

अवैध बजरी खनन, निर्गमन और भंडारण की रोकथाम को लेकर बैठक हुई सम्पन्न

स्मार्ट हलचल |बूंदी

जिले में अवैध बजरी खनन, निर्गमन और भंडारण पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लाखेरी और केशवरायपाटन उपखंड क्षेत्र स्थित चंबल घड़ियाल सेंचुरी में हो रहे अवैध बजरी खनन पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर ने संबंधित उपखंड अधिकारियों द्वारा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने अवैध खनन में जब्त किए गए वाहनों और अब तक की गई जुर्माना राशि की वसूली की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएं। निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स अवैध खनन के खिलाफ सघन अभियान चलाकर सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिए कि अवैध खनन की सटीक जानकारी और रोकथाम के लिए संबंधित क्षेत्रों में ड्रोन सर्वे करवाया जाएं। पकड़े जाने पर विभागीय नियमानुसार भारी जुर्माना राशि की वसूली की जाए। सभी उपखंड अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में विशेष टीमों का गठन करें। ये टीमें अवैध खनन की आशंका वाले क्षेत्रों में लगातार औचक निरीक्षण करें और मौके पर ही आवश्यक कानूनी कार्यवाही करें।

बैठक से संबंधित क्षेत्रों के उपखंड अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों से जमीनी स्तर की स्थिति जानी और अवैध खनन पर पूरी तरह से लगाम लगाने के लिए उनसे व्यावहारिक सुझाव भी मांगे, ताकि भविष्य की रणनीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, बूंदी उपवन संरक्षक के.के. गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसवीर मीणा, माइनिंग व परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहें।

अवैध मदिरा पर प्रभावी कार्रवाई, प्रदेश में 1 लाख 77 हजार 217 लीटर वॉश नष्ट

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नंष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए।

252 गिरफ्तार 787 अभियोग दर्ज

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 1 से 7 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 787 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेष में 9 लाख 45 हजार 710 रूपए लागत की 3525 लीटर देशी मदिरा, 8 लाख 39 हजार 170 रूपए की 841 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 3 लाख 75 हजार 534 रूपए की 1393 लीटर बीयर एवं 4750 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई है। इसी क्रम में एक लाख 77 हजार 217 लीटर वॉश नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान 8 बडे वाहन, 2 हल्के चार पहिया एवं 11 दुपहिया वाहन सहित 21 वाहन जब्त करते हुए 252 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है।

जिलों में अवैध मदिरा पर कार्रवाई

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। चित्तौड़गढ़ में मुखबिर की सूचना पर ईपीएफ दल ने नेशनल हाईवे 48 पर राती मंगरी पर बनी दुकानों की तलाशी ली जिस पर 8 प्लास्टिक के ड्रम में 1600 लीटर स्प्रिट बरामद कर किया। अभियोग दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। जोधपुर के लूनी, पिपाड़ औसियां क्षेत्रों में दबिश कार्रवाई में मोटरसाईकल पर अवैध मदिरा परिवहन करते अभियुक्त को गिरफ्तार किया। ईपीएफ दलों द्वारा 2 अभियोग दर्ज किए गए। भरतपुर व डीग में पड़त मदिरा क्षेत्र सीकरी, गोपालगढ, सतवाड़ी, गुलपाड़ा एवं अतिसंवदेनशील क्षेत्र छापर मोहल्ला, कुम्हेर में संयुक्त दबिष देकर 76 पव्वे अंग्रेजी शराब, 75 पव्वे देशी शराब जब्त करते हुए पूर्व के फरार 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया साथ ही 68 लीटर हथकड़ शराब भी जब्त की गई। बहरोड़ के भिवाड़ी में जेनेसिस मॉल स्थित स्काई बार में कार्रवाई के तहत 3 बोतल अंग्रेजी शराब सेल इन हरियाण एवं 49 बोतल बीयर की बरामद कर अभियोग दर्ज किया। झालावाड़ के आबकारी थाना क्षेत्र चैमहला में संयुक्त दबिश कार्रवई में सुजानपुर तालाब के समीप 10 हजार लीटर वॉश नष्ट कर 110 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की गई मौके पर 2 अभियोग दर्ज किए।

प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। प्रदेष में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

लाडपुरा में ज्वेलर्स की दुकान से पायजेब चुराने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल |मांडलगढ़

थाना पुलिस ने लाडपुरा स्थित एक ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई चांदी की पायजेब भी बरामद कर ली है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए चलाई जा रही मुहिम के तहत यह सफलता मिली है।

घटनाक्रम के अनुसार, पुरानी आबादी मांडलगढ़ निवासी बसन्त कुमार सोनी की लाडपुरा स्थित दुकान पर गत 22 अप्रैल को एक महिला व पुरुष पायजेब खरीदने के बहाने आए थे। इस दौरान वे करीब 150 ग्राम वजनी चांदी की दो जोड़ी पायजेब पार कर ले गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी अनुसंधान के बाद आरोपी प्रकाश बावरी व उसकी पत्नी लता बावरी निवासी बावरी खेड़ा (निम्बाहेड़ा) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का माल बरामद किया गया।

आरोपी उदयपुर व चित्तौड़गढ़ जिलों के कई मामलों में भी वांछित हैं। थानाधिकारी घनश्याम मीणा के नेतृत्व में विशेष टीम ने की कार्रवाई।

पुलिस टीम में सउनि रामसिंह, कांस्टेबल राजेंद्र, भंवरलाल व महिला कांस्टेबल शीला शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों से क्षेत्र में हुई अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

डाक विभाग उदयपुर मण्डल द्वारा फ्रेंचाइजी हेतु आवेदन आमंत्रित

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर डाक मंडल द्वारा डाक सेवाओं के विस्तार एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु डाक फ्रेंचाइजी संचालक बनने के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डाक मंडल के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि फ्रेंचाइजी के माध्यम से स्पीड पोस्ट, इंडिया पोस्ट पार्सल, अंतरराष्ट्रीय ईएमएस, ट्रैक्ड पैकेट सेवा आदि बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त पार्सल वितरण एवं पिक-अप/कलेक्शन संबंधी कार्य भी किए जाएंगे। आवदेन करने के लिए इच्छुक आवेदक की आयु आवेदन तिथि पर न्यूनतम 18 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आवेदक को कंप्यूटर एवं स्थानीय भाषा के साथ अंग्रेजी का सामान्य ज्ञान होना चाहिए। साथ ही स्वयं का अथवा किराये का दो अथवा चार पहिया वाहन एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। फ्रेंचाइजी संचालन हेतु न्यूनतम 50 वर्गफीट का दुकान/स्थान, कंप्यूटर अथवा स्मार्टफोन, प्रिंटर, स्कैनर एवं वजन मशीन उपलब्ध होना आवश्यक है। चयनित आवेदक को 10 हजार की सुरक्षा राशि एनएससी/केवीपी/टीडी/बैंक गारंटी के रूप में चयन उपरांत जमा करनी होगी।

राठौड़ शहर एवं चौधरी ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत

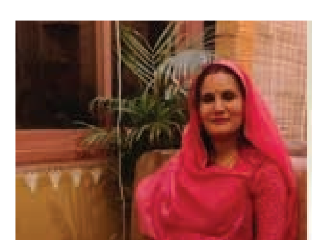

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

चित्तौड़गढ़। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह ने रेणु कंवर राठौड़ को चित्तौड़गढ़ शहर एवं गायत्री चौधरी को चित्तौड़गढ़ ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत किया है।

इस पद पर मनोनीत होने के बाद रेणु कंवर राठौड़ एवं गायत्री चौधरी ने कहा कि उन्हें मिली जिम्मेदारी को वे पूर्ण निष्ठा के साथ निभाएंगी संगठन को मजबूत करने और महिलाओ को कांग्रेस से जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। अनुशंसा पर उन्होंने पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत का आभार व्यक्त कर कहा कि मार्गदर्शन लेकर जल्द ही ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन कर पार्टी को मजबूत किया जाएगा।

दोनो के मनोनयन पर चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस जनप्रतिनिधियो एवं पार्टी पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त कर राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा, प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह, जिला अध्यक्ष यशोदा पुरोहित का आभार व्यक्त किया है।

चित्तौड़गढ़ में क्रिकेट का महासंग्राम: 9 और 10 को होगा जेसीपीएल का रोमांच

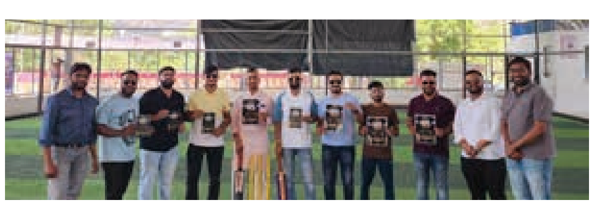

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

जीतो यूथ विंग चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित होने वाली जीतो चित्तौड़गढ़ प्रीमियर लीग (जेसीपीएल) सीजन-1 को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। दो दिवसीय यह क्रिकेट प्रतियोगिता 9 एवं 10 मई को पवेलियन ग्रीन्स में आयोजित होगी, जिसमें प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक मुकाबले खेले जाएंगे।

वंडर सीमेंट है टाइटल स्पॉन्सर

आयोजन समिति सदस्य आयुष बाघमार ने बताया कि टूर्नामेंट की तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं और पोस्टर का विमोचन भी किया गया है। प्रतियोगिता के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में वंडर सीमेंट जुड़ा है, जिससे आयोजन को और अधिक भव्य स्वरूप मिल रहा है।

मैदान में उतरेंगी 12 टीमें

प्रतियोगिता में पार्श्वनाथ टाइटंस, नाकोड़ा वॉरियर्स, महावीर किंग्स, भडकत्या ब्लास्टर्स, फाल्कन्स, आरआर कैपिटल, काइट्स नाइट राइडर्स, प्रताप टाइगर्स, कोठारी रॉयल्स, पोखरना डेवलपर्स, वर्धमान विक्टर्स एवं अशोका वॉरियर्स सहित कुल 12 टीमें भाग लेंगी।

आयोजन समिति के रवि विराणी, सिद्धार्थ महात्मा, अक्षत पोखरना सहित कई सदस्य व्यवस्थाओं में दे रहे हैं सहयोग।

आयोजन समिति ने शहरवासियों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

'प्लग एंड प्ले' एवं स्पोर्ट्स फैसिलिटी में इच्छुक निवेशकों के लिए सुनहरा मौका

'प्लग एंड प्ले' एवं स्पोर्ट्स फैसिलिटी के लिए मिलेगी ज़मीन, रीको ने प्रदेश में खोले 24 भूखण्डों के दरवाज़े

स्मार्ट हलचल| कोटा

अगर आप उद्योग लगाना चाहते हैं और भूखण्ड के साथ-साथ तैयार बुनियादी ढाँचा भी चाहते हैं - तो राजस्थान सरकार का उपक्रम रीको आपके लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। रीको ने प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में प्लग एंड प्ले सुविधाओं तथा स्पोर्ट्स फैसिलिटी के विकास हेतु कुल 24 भूखण्ड किराये पर आवंटित करने की घोषणा की है। इसके अंतर्गत राज्यभर के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में 'प्लग एंड प्ले' तथा स्पोर्ट्स फैसिलिटी के लिए भूखण्डों का आवंटन रेंटल बेसिस पर ई-बिडिंग के माध्यम से किया जाएगा।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

रीको के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, कोटा वी.के. विजय ने बताया कि 'राइजिंग राजस्थान' अभियान की कड़ी में उठाया गया यह कदम राज्य में औद्योगिक निवेश को नई गति देने और औद्योगिक क्षेत्रों में खेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है। कोटा शहर में स्पोर्ट्स फैसिलिटी विकसित करने के लिए REIZ- इन्द्रप्रस्थ, कोटा में 2018 वर्गमीटर का 1 भूखण्ड एवं REIZ-एग्रो फूड पार्क, रानपुर-कोटा में 3758 वर्गमीटर का 1 भूखण्ड उपलब्ध हैं।

रीको के इकाई प्रभारी वी.के. विजय ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में खेल गतिविधियों को विस्तार देने के लिए यह प्रयास किया गया है जिसमें निर्धारित नियमों पर 15 वर्ष के लिए इच्छुक निवेशकों को रेंटल बेसिस पर खेल गतिविधियो का परिसर एवं उद्योग लगाने हेतु 'प्लग एण्ड प्ले' का परिसर विकसित करने के लिए मिल सकेगा, जिसमें एक वर्ष का मोरेटोरियम दिया जायेगा। आवश्यकता अनुसार इसे आगे 10 वर्षों तक बढ़ाया जा सकेगा। आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है। इच्छुक निवेशक SSO Portal या रीको की आधिकारिक वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in के माध्यम से 'Rental Property' लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया 6 मई 2026 प्रातः 10 बजे से प्रारंभ कर दी गई है और 20 मई 2026 सायं 6 बजे तक चलेगी, जबकि ऑनलाइन बिडिंग 21 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी।

मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र में दीक्षांत समारोह आयोजित

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

गांव एकोराशी के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार को दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। जिन बच्चों ने आंगनबाड़ी से कक्षा एक में प्रवेश किया हैं उन बच्चों के साथ दीक्षांत कार्यक्रम का आयोजन किया गया और आंगनवाड़ी में नव प्रवेशित बच्चों का प्रवेशोत्सव मनाया गया। दीक्षांत समारोह में बच्चों को समग्र प्रमाण पत्र व पोर्टफोलियो फाइल आदि के साथ विद्यालय में प्रवेश के लिए विदाई समारोह किया गया। इस मौके पर कैलाश गुर्जर, मैटर शिक्षका रेनू शर्मा, कार्यकर्ता शशि कला, सहायिका कुसुम, सेंटर फॉर माइक्रोफाइनेंस से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मोनू शर्मा व वीर सिंह सहित बच्चों के अभिभावक उपस्थत रहे। महिला सुपरवाइजर कैलाश मीणा एवं शिक्षिका रेनू ने बताया कि कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सतर्कता और सूझबूझ से टलीं संभावित रेल दुर्घटनाएँ

डीआरएम ने 5 रेलकर्मियों को 'संरक्षा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र' से किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल| कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में ड्यूटी के दौरान असाधारण सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले 5 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कालरा द्वारा 'संरक्षा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र' प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कृत कर्मचारियों में स्टेशन मास्टर श्री निर्मल कुमार, पॉइंट्समैन-ए श्री ललित कुमार बोरासी, उप स्टेशन अधीक्षक श्री राजेश कुमार जांगिड, ट्रेन मैनेजर श्री विनोद कुमार मीना तथा टीआरडी टेक्नीशियन-द्वद्वद्व श्री सत्यनारायण गुर्जर शामिल हैं।

इन कर्मचारियों ने समय रहते तकनीकी असामान्यताओं की पहचान कर न केवल रेल संपत्ति को नुकसान से बचाया, बल्कि यात्रियों एवं रेलकर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की। उनकी सजगता और तत्परता से कई बड़ी घटनाएँ टल गईं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि रावथा रोड स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों ने गुजरती ट्रेन के एक कोच से आग की लपटें निकलती देखीं। कर्मचारियों ने तुरंत ट्रेन को रुकवाया, संबंधित अधिकारियों को सूचना दी तथा मौके पर पहुँचकर अग्निशमन यंत्रों की सहायता से आग पर काबू पाया। समय रहते की गई इस कार्रवाई से बड़ी दुर्घटना टल गई।

इसी प्रकार मखौली स्टेशन पर एक रेलकर्मी ने गुजरती मालगाड़ी के पहिए से धुआँ उठता देखा। उन्होंने तत्काल सतर्कता बरतते हुए ट्रेन को रुकवाया और संबंधित स्टाफ को सूचित किया। जांच में तकनीकी खराबी सामने आई, जिसे समय रहते ठीक कर लिया गया। इस त्वरित कार्रवाई से रेल संचालन प्रभावित होने से बच गया।

गंगापुर सिटी स्टेशन पर एक कर्मचारी ने मालगाड़ी की जांच के दौरान डिब्बों के बीच कपलिंग में गंभीर असामान्यता देखी। उन्होंने तुरंत संबंधित विभाग को सूचित कर आवश्यक कार्रवाई करवाई। दोषपूर्ण हिस्से को अलग कर सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया।

वहीं विद्युत विभाग के एक कर्मचारी ने फुट पेट्रोलिंग के दौरान ओएचई लाइन में गंभीर खराबी देखी, जिससे रेल संचालन बाधित हो सकता था। उन्होंने तत्काल अधिकारियों को सूचना देकर मरम्मत कार्य शुरू करवाया। समय पर की गई कार्रवाई से संभावित बड़ा ब्रेकडाउन टल गया और रेल संचालन सुरक्षित बना रहा। मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कालरा ने सभी पुरस्कृत कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ऐसे सजग एवं समर्पित कर्मचारी पूरे मंडल के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि कोटा मंडल सुरक्षित एवं विश्वसनीय रेल संचालन के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को आगे भी प्रोत्साहित किया जाता रहेगा।

घाड़ में दिन-दहाड़े अवैध पत्थर खनन: वन विभाग की मिलीभगत से ऐतिहासिक विरासत खतरे में

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। घाड़ क्षेत्र के पहाड़ों पर दिन-दहाड़े अवैध पत्थर खनन और परिवहन का खेल धड़ल्ले से जारी है। प्रशासन और वन विभाग की कथित चुप्पी के बीच घाड़ की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार घाड़ स्थित वनरक्षक चौकी पर अक्सर ताला लगा रहता है। यह चौकी अब केवल कागजों में सिमट कर रह गई है और कथित तौर पर शराबियों का अड्डा बन चुकी है। पुलिस थाना भी पहाड़ से मात्र एक किलोमीटर दूर है, फिर भी खनन माफियाओं में कानून का कोई डर नहीं दिख रहा।

पहाड़ की चोटी पर स्थित ऐतिहासिक मनार पीर बाबा स्थान व दरगाह भी अवैध खनन की चपेट में आ गया है। माफिया दरगाह के दोनों ओर से बेतरतीब तरीके से पत्थर निकाल रहे हैं। यदि यही स्थिति बनी रही, तो पहाड़ के दरकने का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे इस प्राचीन धरोहर का अस्तित्व समाप्त हो सकता है।

हाल ही में ककोड़ में आयोजित एक सभा में टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी की मौजूदगी में देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने भी वन विभाग की कथित मिलीभगत पर सवाल उठाए थे। विधायक ने सार्वजनिक रूप से विभाग पर अवैध खनन को संरक्षण देने का आरोप लगाया था।

ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं। हालांकि, शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस अवैध खनन पर रोक लगाई जाए और लापरवाही बरतने वाले वन विभाग के कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर और पर्यावरण को बचाया जा सके।

ब्यावर में 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान बिजयनगर में 75 किलो संदिग्ध घी सीज

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/बिजयनगर। राजस्थान सरकार के 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत ब्यावर जिले में खाद्य सुरक्षा दल ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला कलेक्टर कमल राम मीणा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत के मार्गदर्शन में टीम ने बिजयनगर और रामगढ़ में औचक निरीक्षण किया।

75 किलो घी सीज, बिक्री पर पाबंदी

खाद्य सुरक्षा दल ने आज बिजयनगर में रेलवे फाटक के सामने स्थित मैसर्स मुकेश ट्रेडर्स पर छापेमारी की। विभाग को मिली शिकायत के आधार पर की गई इस कार्रवाई में प्रतिष्ठान के मालिक मुकेश खटोड की मौजूदगी में 'सरस घी' का सैंपल लिया गया। टीम ने मौके से 15-15

किलो के 5 टिन (कुल 75 किलो घी) को संदिग्ध मानते हुए सीज कर दिया। दुकानदार को सख्त हिदायत दी गई है कि जब तक लैब की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक इस स्टॉक की बिक्री नहीं की जाएगी।

रामगढ़ में भी कार्रवाई

अभियान के तहत टीम ने रामगढ़ क्षेत्र का भी दौरा किया, जहाँ शुभम किराणा से घी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया।

गर्मी में बढ़ेगी सख्ती: फल और शीतल पेय भी निशाने पर

खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह ने बताया कि जिले में मिलावट रोकने के लिए यह सघन अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने आगामी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए अगले चरण में आइसक्रीम, शीतल पेय, शरबत के साथ-साथ मौसमी फलों जैसे तरबूज, आम, पपीता और केले की भी गहन जांच की जाएगी।

बिजयनगर से लिए गए घी के नमूनों को जांच हेतु अजमेर स्थित प्रयोगशाला (लैब) में भिजवा दिया गया है। रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दूनी-नगरफोर्ट मार्ग पर पुलिया टूटी, हादसे का खतरा

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। दूनी-नगरफोर्ट मार्ग पर घाड़ पेट्रोल पंप के पास पिछले साल भारी बारिश में टूटी पुलिया की मरम्मत एक साल बाद भी नहीं हो पाई है। मानसून की दस्तक करीब होने के कारण ग्रामीणों में बड़े हादसे और मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका बढ़ गई है।

यह सड़क हाईवे की लिंक रोड होने के कारण यहां दिन-रात वाहनों का भारी आवागमन रहता है। पिछले साल की बारिश में बही सड़क और पुलिया का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा अब तक नहीं कराया गया है।

विभाग ने सुरक्षा के नाम पर टूटी पुलिया के पास केवल झाड़ियाँ लगा रखी हैं। इन झाड़ियों के कारण रास्ता बेहद संकरा हो गया है, जिससे दो

वाहनों के आमने-सामने आने पर दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों ने विभाग और ठेकेदार की कार्यशैली पर रोष व्यक्त किया है। उनका आरोप है कि ठेकेदार ने पुरानी छोटी पुलिया पर ही साइड में पाइप रखकर सड़क बना दी और पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था नहीं की।

क्षेत्रवासियों ने यहां एक बड़ी पुलिया बनाने की मांग की है ताकि बारिश के पानी का बहाव सुचारु रह सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश से पहले यह पुलिया ठीक नहीं की गई, तो इस बार पूरी सड़क बह सकती है और आसपास के गांवों का संपर्क टूट जाएगा।

मामले की गंभीरता को लेकर पीडब्ल्यूडी के कनिष्ठ अभियंता भीम सिंह गुर्जर ने बताया कि वर्तमान में ठेकेदार गैरोली-मुगलाना रोड पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वहां से 15 दिन में फ्री होकर शीघ्र ही दूनी-नगरफोर्ट मार्ग की इस पुलिया का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

हालांकि, मानसून के आगमन से पहले 15 दिन की यह समय-सीमा कार्य पूरा करने के लिए पर्याप्त होगी या नहीं, यह एक चिंता का विषय बना हुआ है। यदि समय रहते कार्य पूरा नहीं हुआ, तो इसकी जिम्मेदारी तय करना आवश्यक होगा।

सांपों से डरें नहीं, उन्हें समझें: पुलिस मित्र सुरेंद्र सिंह भाटी ने छात्राओं को सिखाए बचाव के गुर

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/बिजयनगर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिजयनगर में 'सर्प शिक्षा अभियान' के तहत एक दिवसीय जन-जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रही सर्पदंश की घटनाओं पर अंकुश लगाना और विद्यार्थियों को वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

विशेषज्ञ मार्गदर्शन और अभियान:

यह अभियान पूरे भारतवर्ष में 22 क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सर्प शिक्षक, पुलिस

मित्र एवं वन मित्र सुरेंद्र सिंह भाटी उपस्थित रहे। भाटी ने बताया कि यह अभियान महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति और चेन्नई सर्प पार्क के सर्प विशेषज्ञों के कुशल मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

जागरूकता से बचेगा जीवन:

कार्यक्रम के दौरान सुरेंद्र सिंह भाटी ने अब तक 25 विद्यालयों में दी गई जानकारियों का हवाला देते हुए कहा कि 'अवेयरनेस और जन-जागृति के माध्यम से ही हम 'सर्पदंश मृत्यु विहीन भारत' के सपने को साकार कर सकते हैं।' उन्होंने छात्राओं को बताया कि: सर्पदंश की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल उचित प्राथमिक उपचार और अस्पताल की मदद लेनी चाहिए। सांपों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान कैसे करें और उनके व्यवहार को कैसे समझें। पर्यावरण संतुलन के लिए सांपों का जीवित रहना क्यों आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह राठौड़ एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने सुरेंद्र सिंह भाटी द्वारा दी गई बहुमूल्य जानकारी की सराहना की और उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

मानसून के चलते जर्जर भवनों पर प्रशासन सख्त, खाली करने के नोटिस

स्मार्ट हलचल|ब्यावर

मानसून के आगमन और आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका ने जनहानि रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 243 के तहत क्षेत्र के सभी जर्जर और खतरनाक भवनों के स्वामियों को नोटिस जारी कर आगाह किया गया है।

नगर पालिका के अनुसार, जो भवन 100 वर्ष से अधिक पुराने या जर्जर स्थिति में हैं, वे निवास या व्यवसाय के लिए असुरक्षित

हैं। प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित व्यक्ति इन भवनों का उपयोग तुरंत बंद कर दें और खतरनाक हिस्सों की मरम्मत या उन्हें हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि सूचना के बाद भी अनदेखी करने पर किसी भी दुर्घटना की समस्त जिम्मेदारी व्यक्तिगत रूप से भवन स्वामी या किराएदार की होगी।

पेयजल संकट और जल बर्बादी को लेकर 'आप' का हल्ला बोल

जलदाय विभाग को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शहर में गहराते पेयजल संकट और जलदाय विभाग की कथित लापरवाही के खिलाफ शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (क्क) ने मोर्चा खोल दिया। जिला अध्यक्ष शौकीन काठात के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जलदाय विभाग के कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

भीषण गर्मी में हैंडपंप खराब, जनता बेहाल

ज्ञापन में पार्टी ने मुख्य रूप से

पृथ्वीराज चौहान स्टेडियम के पीछे स्थित मुमताज कॉलोनी और चंपानगर सहित कई अन्य क्षेत्रों का मुद्दा उठाया। बताया गया कि इन इलाकों में लंबे समय से हैंडपंप खराब पड़े हैं। भीषण गर्मी के इस मौसम में हैंडपंपों के बंद होने से स्थानीय निवासियों को पानी की एक-एक बूंद के लिए भारी संघर्ष करना पड़ रहा है।

एक तरफ किल्लत, दूसरी तरफ बर्बादी

आम आदमी पार्टी ने विभाग को आईना दिखाते हुए कहा कि कोटी चौक के पीछे पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण रोजाना हजारों लीटर पेयजल व्यर्थ बह रहा है। कार्यकर्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि एक ओर आम जनता पानी की कमी से जूझ रही है, वहीं विभाग की अनदेखी के कारण कीमती पानी सड़कों पर बह रहा है। इसके साथ ही शिवनगर कॉलोनी में अनियमित जलापूर्ति को लेकर भी विभाग को चेतावनी दी गई।

प्रमुख मांगें और चेतावनी

पार्टी ने प्रशासन के समक्ष निम्नलिखित मांगें रखी हैं: सभी खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत की जाए। लीकेज वाली पाइपलाइनों को तुरंत दुरुस्त किया जाए। प्रभावित कॉलोनियों में नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित हो। 'यदि प्रशासन ने जल्द ही इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया, तो आम आदमी पार्टी जनता के हक के लिए सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

उदयपुर रोड पर आज सुबह 8 से दोपहर 2 तक बिजली गुल

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। शहर के उदयपुर रोड क्षेत्र में रहने वाले विद्युत उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक सूचना है। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा उदयपुर रोड के चौड़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इस विकास कार्य के आड़े आ रही विद्युत लाइनों को शिफ्ट करने के लिए विद्युत विभाग द्वारा कल, 09 मई 2026 को विशेष शटडाउन लिया जाएगा।

33/11 केवी सेदरिया जीएसएस के कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण और पोल शिफ्टिंग के कार्य हेतु 11 केवी उदयपुर रोड फीडर की सप्लाई प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक बंद रखी जाएगी।

शटडाउन के कारण अमरी का बाडिया, कृषि मंडी चौराहा, मधुकर नगर, शिव कॉलोनी प्रथम व द्वितीय, अरिहंत नगर, जवाहर नगर, महावीर कॉलोनी, रावत कॉलोनी, पुराना आरटीओ ऑफिस, भोपा का बाडिया, उदयपुर रोड चुंगी नाका, एफसीआई गोदाम, राजकीय आइटीआइ गणेशपुरा, चंपालाल जी की बगीची, आदित्य ग्रिंडिंग, गुरुकुल स्कूल, ओंकारेश्वर गार्डन के पास का क्षेत्र तथा जेपी होटल के पीछे के क्षेत्रों में 6 घंटे तक बिजली बंद रहेगी।

विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली से संबंधित अपने आवश्यक कार्य शटडाउन समय से पूर्व या बाद में नियोजित करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। कार्य समय पर पूरा होने की स्थिति में आपूर्ति समय से पहले भी बहाल की जा सकती है।

भीषण गर्मी में यात्रियों का सहारा बना 'सेवा सेवानिवृत श्री सीमेंट कर्मचारी संघ'

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच मानवता की सेवा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए एकम आसरा चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सेवा सेवानिवृत श्री सीमेंट कर्मचारी संघ द्वारा रेलवे स्टेशन पर शीतल जल सेवा का आयोजन किया गया।

संघ के सदस्यों ने सुबह 10:30 से शाम 4:00 बजे तक स्टेशन पर रुकने वाली विभिन्न ट्रेनों के डिब्बों में जाकर यात्रियों को ठंडा जल पिलाया। महासचिव डी.के. जैन एवं महेश बासरे ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी सभी सदस्य समाज सेवा के लिए एकजुट हैं। उन्होंने घोषणा की कि अगले माह पक्षियों के लिए परिंडे भी लगाए जाएंगे। इस सेवा कार्य में महेंद्र सिंह राठौड़, हेमंत काबरा, जगन्नाथ यादव और राजेश जालान सहित संघ के कई सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

ब्यावर पुलिस की बड़ी सफलता: 5 थानों की 6 वारदातों का खुलासा, चोरी की बाइक व वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा बरामद

स्मार्ट हलचल|ब्यावर

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साकेत नगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नकबजनी (घर में चोरी) की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल और वारदात में इस्तेमाल किया गया वाहन बरामद किया है।

घटना का विवरण और अनुसंधान

मामले के अनुसार, प्रार्थी सत्तु गोयर निवासी फतेहपुरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 मार्च 2026 की रात को अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर एक एचएफ डिलक्स बाइक और गल्ले में रखे 15,000 रुपये चोरी कर लिए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो संदिग्धों—जसवंतसिंह उर्फ गोलू और सोनूसिंह को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार किया।

इन वारदातों का हुआ खुलासा

गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ के दौरान जिला ब्यावर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी की 6 बड़ी वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है, जिनमें शामिल हैं:

साकेत नगर थाना: 01 वारदात, सेंदड़ा थाना: 01 वारदात, ब्यावर सदर थाना: 02 वारदात, ब्यावर सिटी थाना: 01 वारदात, बर थाना: 01 वारदात

आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं। जसवंतसिंह उर्फ गोलू और सोनूसिंह के खिलाफ पूर्व में भी साकेत नगर थाने में चोरी और नकबजनी के कई मामले दर्ज हैं और उनके खिलाफ चार्जशीट पेश की जा चुकी है।

पुलिस टीम की भूमिका

इस सफल कार्रवाई में साकेत नगर थाना प्रभारी गणपतराम, सदर थानाधिकारी गजराज, हैड कांस्टेबल वेदप्रकाश और कांस्टेबल हनुमान की विशेष भूमिका रही। पुलिस टीम ने आरोपियों की निशादेही पर शत-प्रतिशत माल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

तपती धूप में खाली बारदाने का इंतजार कर रहे किसान, भारतीय किसान संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

जिले में समर्थन मूल्य गेहूं खरीद केंद्र का लक्ष्य पंजीकृत किसानों के अनुपात में नाकाफी साबित हो रहा है। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं और चने की खरीद जारी है, लेकिन अव्यवस्थाओं के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने खरीद केंद्रों पर जाकर किसानों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया।

25-30% ही हुआ तौल, बारदाने का टोटा

जिले में अधिकतर केंद्रों पर पंजीकृत किसानों की संख्या काफी अधिक है, जिसमें से लगभग 25 से 30 प्रतिशत ही किसानों की उपज का तौल हो सका है। शेष किसान बारी का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें डर है कि केंद्र का लक्ष्य पूर्ण हो गया तो उनकी उपज का क्या होगा। किसानों को तौल का संदेश मिलने पर वे उपज लेकर पहुंचते हैं, लेकिन वहां बारदाना खत्म होने की बात कहकर उन्हें तपती धूप में कई दिनों तक इंतजार करवाया जा रहा है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश है।

भारतीय किसान संघ ने उपखंड अधिकारियों को स्थिति से करवाया अवगत। सभी पंजीकृत किसानों की गेहूं व चना उपज तौलने की उठाई मांग। खरीद केंद्रों पर नियमित मॉनिटरिंग और बारदाने की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर।

मांग पूरी नहीं होने व क्षमता नहीं बढ़ाने पर संगठन के नेतृत्व में बड़े आंदोलन की दी चेतावनी।

शक्ति पीठ बाड़ी माता तीर्थ धाम पर भोजनशाला का भव्य भूमि एवं शिला पूजन संपन्न

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/बिजयनगर। क्षेत्र के प्रसिद्ध शक्ति पीठ बाड़ी माता तीर्थ धाम पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। धाम परिसर में प्रस्तावित नवीन भोजनशाला का भूमि एवं शिला पूजन आज पूर्ण विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ।

भक्तों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएँ

तीर्थ धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं को उच्च स्तरीय और सुलभ भोजन सुविधा उपलब्ध

कराने के उद्देश्य से इस भोजनशाला का नवनिर्माण प्रारंभ किया गया है। ट्रस्ट के अनुसार, मंदिर की बढ़ती मान्यता के साथ भक्तों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई है, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया।

प्रमुख हस्तियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस पावन अवसर पर अध्यात्म और उद्योग जगत से जुड़ी कई हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें शामिल हैं: धार्मिक क्षेत्र से: बालाजी मंदिर पुजारी घीसा महाराज। आरएसडब्ल्यूएम खरीग्राम मिल: नरेश बाहेड़िया, एस.के. तिवारी, सुलभ सिंगल और केसर सिंह। सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र: पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सचिन सांखला, विमल तातेड़, प्रेमचंद मेडतवाल, रामकुमार चौधरी, राजकुमार पाण्डेय और मुकेश जोशी।

इसके साथ ही शिवदयाल पाण्डेय, शिवराज जाट, महावीर जलवानिया, भंवर सिंह राठौड़, संग्राम राजा, नंदकिशोर काबरा, जगदीश तिवारी, पदम मुणोत, रतन चौधरी, हगामी लाल जोशी, गोपाल जोशी, प्रभु चौहान, नारायण सिंह राठौड़, राजेश (प्रिंसिपल) और विजय रासलोत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

दानदाताओं ने दिखाया उत्साह

भूमि पूजन के दौरान उपस्थित भक्तों ने इस पुनीत कार्य में अपनी सामर्थ्य अनुसार सहयोग राशि अर्पित की। कार्यक्रम के समापन पर बाड़ी माता मंदिर ट्रस्टी कृष्णा टाक ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए इस प्रकल्प को समय सीमा में पूर्ण करने का संकल्प दोहराया।

डायबिटीज के मरीज पर दवा जैसा असर करता है ये काला फल

गुठली से लेकर पत्ते तक हैं फायदेमंद

गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

डायबिटीज में जामुन का उपयोग

पहला तरीका– जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी बनाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका– करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें। तैयाप मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका– 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें। अब इस पानी को दिन में 3 बार पिएं। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

चौथा तरीका– जामुन की छाल का उपयोग भी शुगर को कम करने के लिए किया जाता है। इसके लिए जामुन की छाल को को पीसकर राख बना लें। 625 मिलीग्राम से 2 ग्राम तक की मात्रा में राख का सेवन रोजाना करें। इससे मधुमेह को कम करने में मदद मिलेगी।

हेल्दी लिवर के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

लिवर हमारे शरीर का एक बहुत ही जरूरी अंग है, जो डिटॉक्सिफिकेशन, पाचन और ऊर्जा संग्रहण जैसे काम करता है। लीवर समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विषहरण, चयापचय और पोषक तत्वों के भंडारण जैसे आवश्यक कार्य करता है। यदि आप लिवर को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं, तो कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

हेल्दी लिवर के लिए फायदेमंद फूड्स :

लहसुन

लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसमें एलिसिन और सेलेनियम होता है, जो लिवर को साफ करता है। लीवर के स्वास्थ्य के लिए लहसुन से लाभ उठाने के लिए, इसे कच्चा, खाली पेट खाना सबसे अच्छा है, या इसे भोजन में शामिल करें। कच्चे लहसुन में एलिसिन होता है, जो एक यौगिक है जिसे खाना पकाने के दौरान पतला किया जाता है। प्रतिदिन 1–2 कच्चे लहसुन की कलियाँ या भोजन में 2–4 कलियाँ खाने की सलाह दी जाती है।

चुकंदर

चुकंदर खून को साफ करता है और लिवर फंक्शन को बेहतर करता है। इसमें बीटालाइन्स होते हैं, जो डिटॉक्स प्रक्रिया को सपोर्ट करते हैं। लीवर को स्वस्थ रखने के लिए चुकंदर को कच्चा, पकाकर या जूस के रूप में खाया जा सकता है। चुकंदर का जूस, खास तौर पर कच्चा, एंटीऑक्सीडेंट और बीटाइन का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो लीवर को डिटॉक्सीफाई करने और इसके कामकाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियाँ

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों—ये शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती हैं। ये लिवर में बाइल (पित्त) प्रोडक्शन को बढ़ाती हैं। पत्तेदार सब्जियों को कच्चा या पकाकर खाया जा सकता है और इन्हें संतुलित आहार का हिस्सा होना चाहिए। आप इन्हें सलाद, स्मूदी या साइड डिश के रूप में शामिल कर सकते हैं। इन्हें भाप में पकाने, भूनने या तलने से इनका स्वाद और भी कोमल हो जाएगा।

एवोकाडो

एवोकाडो ग्लूटाथियोन नामक एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है, जो लिवर की सफाई करता है। एवोकाडो को कई तरह से खाया जा सकता है, जैसे कि टोस्ट पर फैलाकर डिप, सलाद या स्मूदी में इस्तेमाल करना। पौष्टिक और सेहतमंद नाश्ते या स्नैक के लिए मैश किए हुए एवोकाडो की एक पतली परत पूरे गेहूं के टोस्ट या क्रैकर्स पर फैलाएँ। अतिरिक्त स्वाद के लिए नींबू का रस निचोड़ें और काली मिर्च छिड़कें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन्स होते हैं, जो लिवर के फैट को कम करने में मदद करते हैं। ग्रीन टी के नियमित सेवन से सीरम एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज और एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज का मान कम हो जाएगा। लिवर के स्वास्थ्य के लिए, 1–2 कप ग्रीन टी पियें और फैटी लिवर को बढ़ने से रोकने के लिए दूध और चीनी मिलाने से बचें।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

पेट के लिए सबसे अच्छी मानी जाती हैं ये 5 चीजें

खाना का सीधा और सबसे पहले असर हमारी सेहत पर पड़ता है। हम जो भी खाते हैं वो पेट में जाकर पूरे शरीर में पहुंचता है। इसलिए खानपान पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में सबसे ज्यादा हमारा खाना बिगड़ा है। डाइट में जंग फूड, मैदा, चीनी, नमक की मात्रा बढ़ी है। खाने में केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स की मिलावट होने लगी है। पैक्ड फूड का सेवन बढ़ा है, जो सेहत के लिए सबसे ज्यादा घातक है। अगर आप ज्यादा तीखा और चटपटा खाते हैं या ज्यादा तला भुना भोजन खाते हैं इससे पेट खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जो पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन चीजों को पेट के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। जानिए खाने में ऐसी क्या चीजें शामिल करनी चाहिए, जिससे पेट की सेहत और पाचन दुरुस्त हो।

पेट के लिए वरदान हैं ये 5 चीजें

दही– गट हेल्थ को बेहतर बनाने वाला सबसे अच्छा फूड है दही। रोजाना दही का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दही खाने से पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं। सुबह और दोपहर के खाने में दही को शामिल करना सबसे अच्छा माना जाता है।

साबुत अनाज– मोटा अनाज यानि साबुत अनाज को पेट

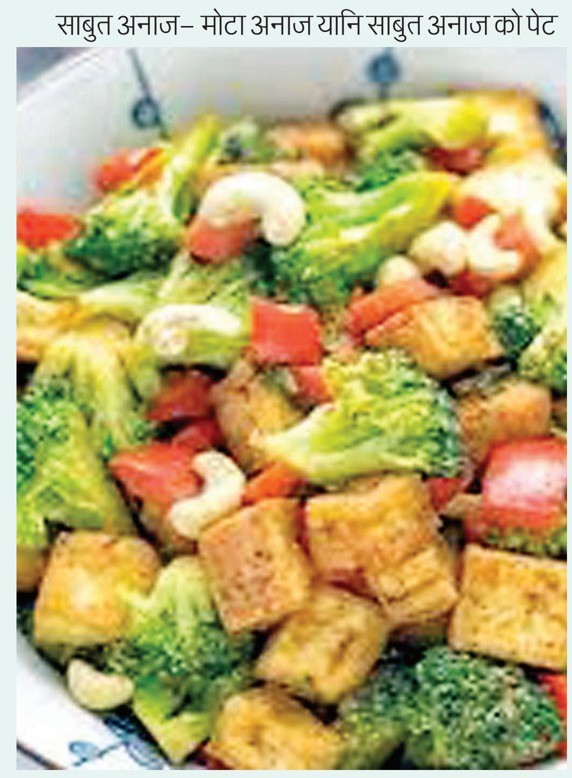

के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप गेंहू, ओट्स, चावल और होल ग्रेन से बनी चीजें खा सकते हैं। ये चीजें पेट के लिए अच्छी होती हैं। इन चीजों में फाइबर ज्यादा होता है जिससे पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

केला– फलों में पका केला पेट के लिए बेहतरीन फल माना जाता है। केला में पौटेशियम पाया जाता है। केला खाने से पाचन बेहतर होता है और कई पेट से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। केला खाने से गैस्ट्रोइंटेस्टिनल समस्याएं भी कम होती हैं। इसलिए केला जरूर खाएं।

पपीता– पाचन को मजबूत बनाने के लिए पपीता जरूर खाएं। पपीता में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पेट साफ कर कब्ज को दूर करते हैं। पपीते के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाचन को बेहतर बनाते हैं। खाना पचाने से लेकर हार्टबर्न और अपच की समस्याएं इससे दूर होती हैं।

अदरक– पेट के लिए अदरक को भी अच्छा माना जाता है। जिन लोगों को जी मिचलाने या पेट में दर्द की समस्या होती है उन्हें अदरक का सेवन करना चाहिए। मॉर्निंग सिकनेस को खत्म करने में भी अदरक असरदार साबित होती है। डाइट में किसी तरह अदरक जरूर शामिल करें।

अस्थमा के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

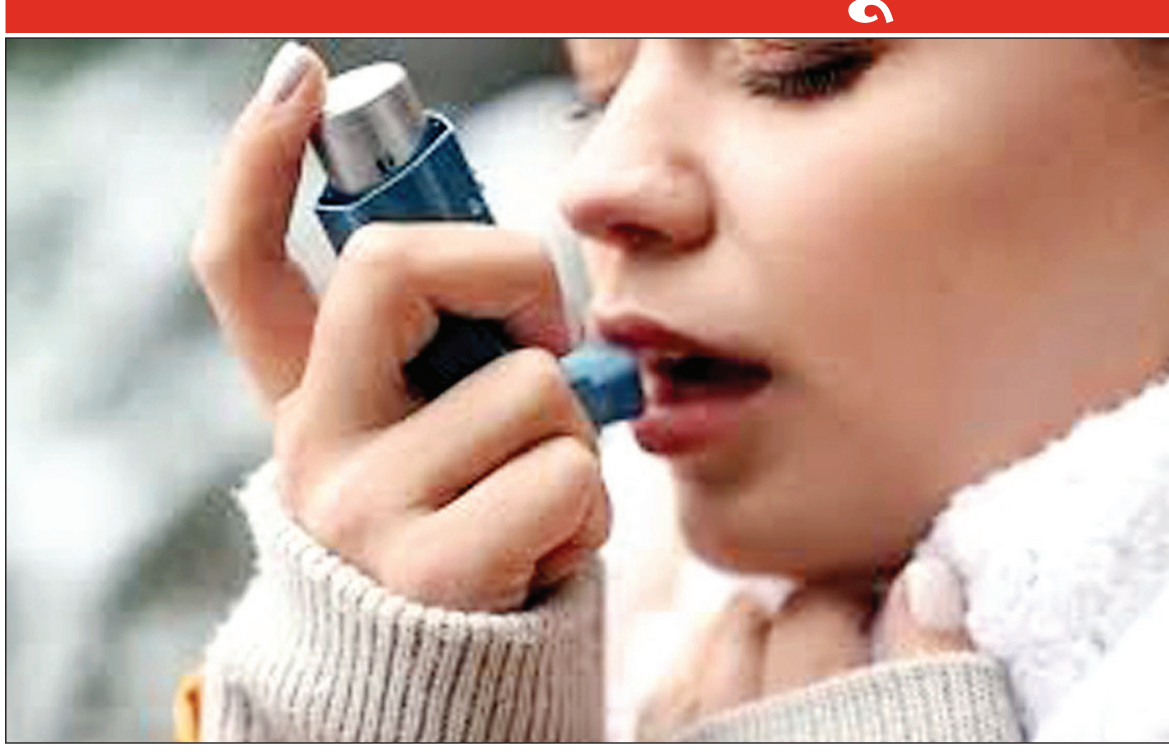

अस्थमा सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है।यह बीमारी हमारे श्वसन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करती है। एक आंकड़े के अनुसार साल 2050 तक अस्थमा रोगियों की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी। अस्थमा कभी भी किसी को भी अचानक अपनी गिरफ्त में ले सकता है। इस लिए जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 6 मई को वर्ल्ड अस्थमा डे; मनाया जाता है।

अस्थमा के मरीजों को अपनी डाइट का बेहद ख्याल रखना चाहिए। डाइट में लापरवाही करने पर यह बीमारी तेजी से ट्रिगर होती है। अस्थमा के मरीजों को कुछ चीज़ों को खाने से परहेज़ करना चाहिए, क्योंकि ये चीजें एलर्जी ट्रिगर, सूजन बढ़ाने, या श्वसन मार्ग को संकुचित करने का कारण बन सकती हैं। नीचे कुछ ऐसी चीजें दी गई हैं जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए :

इन चीज़ों से बनाएं दूरी :

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड : जो लोग प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड का सेवन ज़्यादा करते हैं उनमें अस्थमा का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में संतृप्त वसा पाया जाता है। जो इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है। इनमें सल्फाइट्स, प्रिज़रवेटिव्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर भी होते हैं जो अस्थमा को ट्रिगर कर सकते हैं।

ठंडी चीज़ें : आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीज़ों से भी अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए। ठंडा खाने या पीने से गले और फेफड़ों की नलियों में सिकुड़न हो सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

शराब का सेवन : शराब और बियर में सल्फाइट्स मिलाए जाते हैं। जिससे कि यह काफी समय तक खराब न हो। वहीं यह सल्फाइट्स अस्थमा के रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

डेयरी उत्पाद : दूध, चीज़, मक्खन जैसे डेरी प्रोडक्ट्स अस्थमा के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों को डेयरी से म्यूकस (कफ) ज्यादा बनने लगता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

कॉफी– अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है तो कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए। कॉफी में मौजूद कैफीन एसिड रिफलेक्स को बढ़ा देती है। वहीं दमा के कुछ मरीजों में कॉफी का सेवन करने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com